निरंतर अभ्यास-ज्ञान और सत्य के साथ

काल: सत्यं वदति

दैनिक

सच समाचार

www.dainiksachsamachar.com, E-mail ID: sachsamachar013@gmail.com

RNI NO. - MPHIN/2025/A2700

वर्ष-1 || अंक- 237 || पृष्ठ-8 || शुल्क- 2 रुपए || भोपाल || मंगलवार 02 जून || 2026

सच-संक्षेप

ममता बनर्जी के 80 में से 60 विधायक 'गायब', मीटिंग रद्द

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में सबकुछ ठीक नहीं है। कई विधायक और सांसद नाराज बताए जा रहे हैं। इसको बात को बल रविवार को तब और मिला, जब अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के बाद ममता के घर होने वाली बैठक में 80 में से 60 विधायक पहुंचे ही नहीं। इससे हडकंप मच गया। सूत्रों के अनुसार, ममता के घर पर रविवार को अहम बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें विधायकों को बुलाया गया था, लेकिन बैठक से 60 विधायक गायब रहे।

भारत-बांग्लादेश सीमा वार्ता अगले सप्ताह

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच द्विवार्षिक डीजी-स्तरीय सीमा वार्ता अगले सप्ताह नई दिल्ली में होने की संभावना है। इस साल फरवरी में बांग्लादेश में बीएनपी सरकार के सत्ता में आने के बाद दोनों देशों के सीमा बलों के बीच यह पहली शीर्ष स्तरीय बैठक होगी। 8 से 11 जून के बीच होने वाली इस बैठक में सीमा पर बाड़बंदी, बीएसएफ के जवानों पर हमले, घुसपैठ रोकने, सीमा पार अपराधों पर अंकुश लगाने और अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को वापस भेजने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री आवास पर दो महिलाओं ने जहर खाया

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के आवास के पास उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रदर्शन कर रही दो महिलाओं ने कथित तौर पर जहर खा लिया। ये महिलाएं खुर्दा जिले के बानपुर में चल रहे एक पुराने जमीन विवाद के समाधान में देरी से नाराज थीं। भुवनेश्वर के लोअर पीएमजी स्थित धरना स्थल पर कुल तीन महिलाएं विरोध प्रदर्शन कर रही थीं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, बानपुर पुलिस टीम महिलाओं को समझा-बुझाकर उनके इलाके में ले जाने आई थी ताकि विवाद सुलझाया जा सके।

कटक में मछली गोदाम में आग

कटक। ओडिशा के कटक में सोमवार को एक मछली गोदाम में भीषण आग लग गई, जिसने देखते ही देखते पास स्थित एक बैंक और कई दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास घना धुआं फैल गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दमकलकर्मी लगातार आग बुझाने में जुटे हुए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग से बैंक और दुकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

गुजरात टाइटंस के खिलाड़ियों की बाल-बाल बची जान! होटल लौटते वक्त बस में लगी आग

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार झेलने के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को एक बड़े सुरक्षा खतरे का सामना करना पड़ा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम से होटल लौटते समय टीम की बस में शॉर्ट सर्किट हो गया, जिसके कारण वाहन बीच रास्ते में खराब हो गया। जानकारी के अनुसार बस के अंदर धुआं फैलने लगा, जिसके बाद खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई भी खिलाड़ी या स्टाफ सदस्य घायल नहीं हुआ। यह घटना रविवार रात उस समय हुई जब गुजरात टाइटंस की टीम बस अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम से होटल की ओर जा रही थी। रास्ते में बस में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके कारण बस में आग लग गई और चारों तरफ धुआं फैल गया। हालात बिगड़ने से पहले ही खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को बस से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, आग लगने के बाद टीम के सदस्य करीब एक घंटे तक सड़क पर फंसे रहे और इंतजार करते रहे, जिसके बाद उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई और खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को होटल पहुंचाया गया।हालांकि आग लगने की घटना गंभीर थी, लेकिन समय रहते सभी खिलाड़ियों को बाहर निकाल लेने के कारण बड़ा हादसा टल गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी।

भारी बारिश के चलते केदारनाथ यात्रा अस्थाई रूप से स्थगित, श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर रोका

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश और मौसम विभाग की ओर से जारी ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर प्रशासन ने एहतियातन केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया है। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद रुद्रप्रयाग के विभिन्न पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार वर्षा हो रही है।

इंतजार खत्म, मॉनसून ने दी केरल के तट पर दस्तक

तिरुवनंतपुरम || एजेंसी

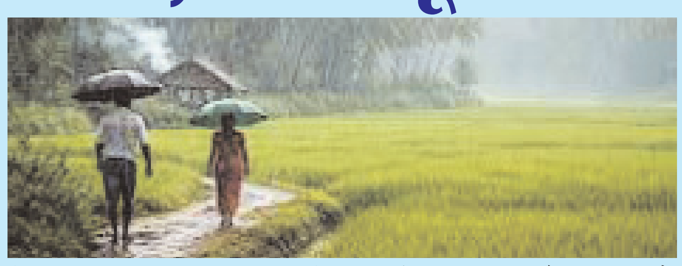

पूरे भारत में लाखों लोग केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के हर साल आने का इंतजार कर रहे हैं और उनका यह इंतजार समाप्त हो गया है। मौसम विभाग ने आज जानकारी दी कि मॉनसून अब केरल के तट पर पहुंच गया है, जिससे चिलचिलाती गर्मी से लोगों को राहत मिलेगी।

इसके साथ-साथ विभाग ने यहां चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में भारी बारिश होगी। इंडिया मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने अनुमान लगाया है कि मॉनसून के आने के लिए हालात अच्छे होने पर पूरे राज्य में जोरदार बारिश होगी। भारत में मॉनसून को लेकर पूरे देश में करीब से नजर रखी जा रही है, क्योंकि केरल में मॉनसून का आना देश के बाकी हिस्सों में इसके आगे बढ़ने का बेंचमार्क है। तेज बारिश की आशंका को देखते हुए, आईएमडी ने इस हफ्ते अलग-अलग दिनों में सात जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक केरल के अलपुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम, त्रिशूर और मलप्पुरम को बुधवार और गुरुवार को ऑरेंज अलर्ट पर रखा गया है, जबकि पठानमथिट्टा और कोझिकोड गुरुवार को अलर्ट पर हैं। मौसम विभाग के अधिकारियों ने कमजोर इलाकों में रहने वालों से हाई अलर्ट पर जाने को कहा है। वहीं, मौसम एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि इन जिलों में कुछ जगहों पर कम समय में 11 से 20 सेंटीमीटर बारिश हो सकती है।बता दें, इतनी तेज बारिश से शहरी इलाकों में अचानक बाढ़ और पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ जाता है, जिससे डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसियों को मॉनिटरिंग और तैयारी के उपाय बढ़ाने पड़ रहे हैं। कई दूसरे जिलों के लिए भी येलो अलर्ट जारी किए गए हैं, जिससे राज्य के बड़े हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। आने वाले मॉनसून से केरल के समुद्र तट पर खराब मौसम और तेज हवाएं चलने की उम्मीद है।

मध्यप्रदेश में 20 के बाद होगी एंट्री

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस बार मानसून का इंतजार थोड़ा लंबा हो सकता है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार प्रदेश में मानसून 20 से 22 जून के बीच प्रवेश करेगा, यानी सामान्य तिथि की तुलना में करीब एक सप्ताह की देरी संभव है।

हालांकि राहत की बात यह है कि मानसून आने से पहले ही प्रदेश में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का दौर सक्रिय बना हुआ है, जिससे भीषण गर्मी पर लगाम लग गई है। प्रदेश में जून की शुरुआत भी मौसम के उतार-चढ़ाव के साथ हो रही है। अगले चार दिनों तक अधिकांश जिलों में तेज हवाएं, गरज-चमक, बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। सोमवार को धार और खरगोन जिलों में ओलावृष्टि और भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा समेत कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

जेईई एडवांस्ड में 56,880 अभ्यर्थी क्वालिफाई

शुभम बने टॉपर, कबीर और अर्णव टॉप 10 में

नई दिल्ली || एजेंसी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की ने देर रात देश और दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा संयुक्त प्रवेश परीक्षा (उन्नत) 2026 का परिणाम घोषित कर दिया। जेईई (एडवांस्ड) 2026 में इस वर्ष कुल 56,880 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में सफलता हासिल की है। सफल उम्मीदवारों में 10,107 छात्राएं भी शामिल हैं। इस परीक्षा परिणाम में एक बार फिर अखिल भारतीय शीर्ष-10 में कोटा का दबदबा देखने को मिला है। परिणाम में कोटा के शुभम कुमार (360 में से 330 अंक)ने अखिल भारतीय प्रथम रैंक हासिल की है, जबकि उनके मित्र कबीर ने दूसरी रैंक प्राप्त की है। इस परीक्षा का परिणाम आज सुबह घोषित होना था, लेकिन इसकी घोषणा देर रात ही कर दी गई। वहीं, कबीर छिल्लर ने 329 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि जतिन चाहर 319 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। तीनों टॉपर्स आईआईटी दिल्ली जोन से हैं।

कोटा का एक बार फिर डंका बजा

आईआईटी में एडमिशन के लिए होने वाली इस परीक्षा में कोटा का एक बार फिर डंका बजा है। लगातार तीसरी बार कोटा से ऑल इंडिया रैंकर आया है। जेईई एडवांस्ड में जेईई मेन में भी टॉप करने वाले और 100 परसेंटाइल स्कोर बनाने वाले बिहार के गया निवासी शुभम कुमार ने टॉप किया है। शुभम कुमार ने 330 अंक 360 में से प्राप्त किया। शुभम कुमार कोटा से ही कोचिंग कर रहे थे।कोटा से ऑल इंडिया रैंक वन के साथ दो और सात भी आई है। ऑल इंडिया रैंक वन पर शुभम कुमार हैं तो ऑल इंडिया रैंक दो पर कोटा से ही कोचिंग कर रहे कबीर छिल्लर है। शुभम और कबीर दोनों दोस्त हैं। कोटा के रहने वाले अर्णव गौतम भी सातवीं रैंक के साथ टॉपर बने हैं। कबीर जेईई मेन के टॉपर रहे हैं और जेईई मेन परफेक्ट स्कोर यानी 300 में से 300 अंक लेकर आए थे। साथ ही ऑल इंडिया रैंक 1 लेकर आए थे। हालांकि एडवांस्ड में उनकी एक रैंक नीचे फिसल गई है। उनसे पांच रैंक नीचे ऑल इंडिया रैंक 6 वाले शुभम कुमार टॉपर बन गए हैं। दूसरी तरफ अर्णव गौतम के जेईई मेन में पांचवीं रैंक थी। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही कोटा में एक बार फिर जश्न का माहौल बन गया। लगातार तीसरी बार ऐसा हुआ है जब संयुक्त प्रवेश परीक्षा (उन्नत) में अखिल भारतीय प्रथम रैंक कोटा के छात्र ने हासिल की है। इसके साथ ही पूरे देश में कोटा के कोचिंग संस्थानों का दबदबा एक बार फिर मजबूत हुआ है। एक समय छात्रों की संख्या में कमी आने से शिक्षा नगरी कोटा में मायूसी का माहौल था, लेकिन अब शहर में फिर से रौनक लौटती दिखाई दे रही है।

5 को गुजरात और दमन दौरे पर जाएंगे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 जून को गुजरात और केंद्र शासित प्रदेश दमन के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह सूरत में लगभग 18,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा दमन में नए नागरिक हवाई अड्डे और एक सरकारी अस्पताल का उद्घाटन भी करेंगे।सूरत के जिला कलेक्टर तेजस परमार ने बताया कि प्रधानमंत्री दोपहर करीब 2:45 बजे सूरत पहुंचेंगे।

पश्चिम बंगाल में कैबिनेट विस्तार, 35 मंत्रियों ने शपथ ली

कोलकाता || एजेंसी

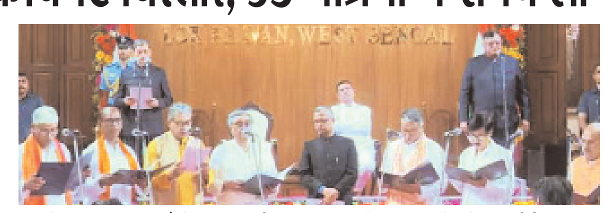

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के गठन के बाद पहला मंत्रिमंडल विस्तार आज हुआ। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार में 35 नए मंत्रियों को शामिल किया गया। राज्यपाल आरएन रवि ने 11 बजे राज्य सचिवालय नबन्ना में सभी मंत्रियों को सामूहिक शपथ दिलाई। नए मंत्रिमंडल में स्वपनदास गुप्ता, अशोक डिंडा, मनोज ओरांव, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, मालती रॉय, इंद्रनील खान, गौरीशंकर घोष, कल्याण चक्रवर्ती, राजेश महतो, अर्जुन सिंह और तापस राय जैसे नाम शामिल हैं। जोएल मुर्मू, हरे कृष्णा बेरा, दीपक बर्मन, शंकर घोष और सारद्वत मुखर्जी ने शपथ ली। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्यपाल आर.एन. रवि नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 294 सदस्यीय सदन में बहुमत हासिल कर तृणमूल कांग्रेस के डेढ़ दशक लंबे शासन का अंत किया था।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का तीखा हमला

'गलती सीबीएसई की, सजा बच्चों को'

नई दिल्ली || एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा परिणामों के बाद लागू फीस व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि स्कैन कॉपी, री-टोटलिंग और री-इवैल्यूएशन के लिए छात्रों से शुल्क लिया जा रहा है, जबकि कई मामलों में त्रुटियां खुद बोर्ड की प्रक्रिया में होती हैं।सोशल मीडिया मंच एक्स पर राहुल गांधी ने लिखा कि जेबकतरों से सावधान रहें, आज वे सीबीएसई के अंदर बैठे हैं। अगर सीबीएसई की गलती से अंक गलत आ जाएं तो आपको क्या मिलता है? एक बिल। डिजिटल स्कैन कॉपी के लिए 100 रुपये प्रति विषय, री-टोटलिंग के लिए 100 रुपये प्रति पेपर और री-इवैल्यूएशन के लिए 25 रुपये प्रति प्रश्न।उन्होंने कहा कि एक छात्र को अपनी आंसर सीट की सही जांच करवाने के लिए 2,000 रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि करीब चार लाख छात्रों ने इस तरह के आवेदन किए हैं और सवाल उठाया कि इससे सीबीएसई कितनी कमाई कर रहा है।कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जब स्कैनिंग मोबाइल फोन से की जाती है तो गलत मूल्यांकन होना स्वाभाविक है और फिर उसे ठीक कराने का खर्च भी छात्र को ही उठाना पड़ता है।

सीबीएसई छात्रों से की बात

नई दिल्ली लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई 12वीं क्लास के छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर छात्रों से बातचीत का 1.30 मिनट का वीडियो पोस्ट किया। कैप्शन में लिखा- जिन साहसी युवाओं ने सीबीएसई और मोदी सरकार से आसान सवाल पूछे, उन्हें जवाब की जगह अपमान मिला। वीडियो में छात्रों ने राहुल से कहा- आंसर शीट को लेकर सवाल पूछने पर हमें एंटी-नेशनल, डीप स्टेट एजेंट्स (जासूस), आतंकवादी और पाकिस्तानी कहा गया। राहुल ने हंसते हुए कहा- 17 साल के डीप स्टेट एजेंट्स।

नेपाल ने भी कब्जाई भारतीय जमीन

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली जमीन पर कब्जा नहीं किया, बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा किया है। बालेन पीएम बनने के दो महीने बाद पहली बार नेपाली संसद को संबोधित कर रहे थे। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, इस दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें इस बारे में जानकारी मिली। दोनों देशों को मिलकर इस मामले की जांच करनी चाहिए। भारत-चीन के बीच लिपुलेख और लिम्पियाधुरा मार्ग से होने वाले व्यापार पर शाह ने कहा कि विवाद का समाधान कूटनीतिक बातचीत से निकाला जाएगा। नेपाल इस मुद्दे पर भारत को राजनयिक नोट भेज चुका है और भारत की ओर से जवाब भी मिल चुका है।शाह ने कहा कि लिपुलेख विवाद ब्रिटिश भारत के समय से जुड़ा है। इसलिए नेपाल ने इस मामले पर सिर्फ भारत और चीन ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन से भी बातचीत की है। इस साल मार्च में हुए चुनावों के बाद सत्ता संभालने के बाद यह पहला मौका है, जब नेपाल के प्रधानमंत्री शाह ने संसद में अपनी बात रखी है।

लोहे के गेट में फंसी कार तीन की मौत

आगरा || एजेंसी

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर कल देर रात एक भीषण सड़क हादसे में महिला समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक बच्चे सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसी। हादसा इतना भयावह था कि कार कंटेनर में पूरी तरह फंस गई और उसके परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने करीब आधे घंटे तक राहत एवं बचाव अभियान चलाकर घायलों को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक राजस्थान के चूरू निवासी सोहेब पुत्र सलीम कार चला रहा था। कार में सवार सभी लोग बिहार से राजस्थान लौट रहे थे। कार में परमिला (31), पूजा कुमारी (32), राजू (35), अयांश (6) सहित कुल आठ लोग सवार थे। रविवार रात जैसे ही करीब दो बजे थाना फतेहाबाद क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 36.700 पर पहुंचते ही तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसी।

जहरीली गैस रिसी तीन की मौत

लुधियाना (पंजाब)। लुधियाना के आरके रोड स्थित एक फैक्टरी में आज पाना-चाबी (टूल) निर्माता फैक्टरी में जहरीली गैस का रिसाव हो गया। इसमें पिता-पुत्र समेत तीन कर्मचारियों की जान चली गई। गैस रिसाव के बाद फैक्टरी परिसर में भगदड़ मच गई। गैस की चपेट में आने से कई अन्य मजदूर बेहोश हो गए। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद थाना मोती नगर की पुलिस सहित विभिन्न टीमें वहां पहुंच गई और राहत कार्य शुरु करवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फैक्टरी में रोजाना की तरह उत्पादन का काम सामान्य रूप से चल रहा था।

यात्रियों से भरी बस पलटी, महिला की मौत

हरिद्वार। हरिद्वार सप्तऋषि क्षेत्र में यात्रियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में राजस्थान की एक महिला यात्री की मौत हो गई, जबकि 25 अन्य यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के दौरान सामने से आ रहा एक डंपर भी नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे स्थित ढाबे में जा घुसा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहत एवं बचाव अभियान चलाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार हादसा शांतिकुंज के पास हाईवे पर हुआ। राजस्थान से आए श्रद्धालुओं का दल गंगा स्नान के बाद वापस लौटने की तैयारी कर रहा था।

लेबनान में घुसी इजरायल की सेना

तेल अवीव। इजरायली सैनिकों ने दक्षिणी लेबनान में रणनीतिक रूप से अहम पहाड़ी पर कब्जा कर लिया है, जिसके शीर्ष पर ब्यूफोर्ट किला स्थित है। इस फोर्ट पर लगभग 44 साल बाद इजरायली झंडा फहराया है। यह 26 वर्ष से अधिक समय में लेबनान में इजरायली सेना का सबसे भीतर किया गया कब्जा है। इजरायली सेना ने इस बात की जानकारी दी। बताया गया कि इजरायली सेना ने नबातियेह शहर के पास स्थित ब्यूफोर्ट किला पर आसपास के गांवों में कई दिन तक चली भीषण लड़ाई और हवाई हमलों के बाद कब्जा किया। इजरायली सैनिकों ने इन गांवों के दुर्गम इलाके में हिजबुल्ला सदस्यों से लड़ाई लड़ी। किले पर कब्जा करना मार्च की शुरुआत में इजरायल-हिजबुल्ला के बीच ताजा युद्ध शुरू होने के बाद इजरायल के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह घटनाक्रम इजरायल के गठन के बाद से युद्ध की स्थिति में रहे दोनों देश वाशिंगटन में सीधी वार्ता कर रहे हैं। इजरायल की यह कार्रवाई 17 अप्रैल से लागू नाममात्र के संघर्षविराम के बावजूद हुई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब अगले दौर की वार्ता दो और तीन जून को अमरीकी विदेश मंत्रालय में होनी है।

मिशन || सुअर के अंदर उगाएंगे इंसानी अंग, 2.47 लाख करोड़ का है प्रोजेक्ट

बुढ़ापा रोकने की तकनीक बना रहा रूस

मॉस्को || एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने बढ़ती उम्र और शरीर की कमजोरी को रोकने के लिए 26 अरब डॉलर यानी करीब 2.47 लाख करोड़ रुपए का बड़ा सरकारी प्रोजेक्ट शुरू किया है। 'न्यू हेल्थ प्रिजर्वेशन टेक्नोलॉजीज' नाम के इस प्रोग्राम में मिनी-पिग्स (विशेष प्रजाति के सुअर) के अंदर इनसानी अंग उगाने जैसे तकनीकों पर काम किया जाएगा। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट में जीन थैरेपी, लैब में इनसानी अंग तैयार करना और बेहद कम तापमान वाली क्रायोथेरेपी जैसी तकनीकों पर भी काम होगा। रूसी सरकार का दावा है कि इस मिशन का मकसद उम्र बढने की प्रक्रिया को धीमा करना और दशक के अंत तक करीब 1.75 लाख लोगों की जान बचाना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुतिन काफी समय से क्रायोथेरेपी और पेप्टाइड थेरेपी लेते रहे हैं। रूस के वैज्ञानिक व्लादिमिर खाविंसन पुतिन को बछड़ों के टिशू से बने खास पेप्टाइड्स देते थे। वे पेप्टाइड थैरेपी के जरिए एंटी-एजिंग इलाज का समर्थन करते थे। उनका दावा था कि इनसान 120 साल तक जी सकता है। ऐसा कहा जाता है कि पुतिन खुद को जवान रखने के लिए क्रायोथेरेपी का इस्तेमाल भी करते हैं। इसमें शरीर को करीब माइनस 112 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में कुछ समय रखा जाता है। आस्ट्रिया के पूर्व चांसलर सेबास्टियन कुर्ज ने बताया था कि 2018 में क्रेमलिन की एक बैठक के दौरान पुतिन ने उन्हें इस थेरेपी के फायदे विस्तार से बताए थे।

पुतिन की बेटी भी इस प्रोजेक्ट से जुड़ी

पुतिन के इस ड्रीम प्रोजेक्ट को उनकी डॉक्टर बेटी मारिया वोरोत्सोवा और उनके सबसे करीबी वैज्ञानिक मिखाइल कोवलचुक संभाल रहे हैं। मारिया वोरोन्त्सोवा एंडोक्रिनोलॉजिस्ट (हार्मोन और डायबिटीज की विशेष डॉक्टर) हैं और रूस के कई सरकारी जेनेटिक्स प्रोग्राम्स से जुड़ी हैं। दूसरे बड़े चेहरे मिखाइल कोवालचुक हैं, जो सोवियत दौर के कुर्चातोव इंस्टीट्यूट के चीफ हैं। उन्हें इस एंटी-एजिंग मिशन का मुख्य वैचारिक चेहरा माना जाता है। कोवालचुक कई बार कह चुके हैं कि विज्ञान जल्द इंसानों को शरीर के अंग लगातार बदलने और रिपेयर करने की क्षमता देगा।

वैज्ञानिकों ने उठाए सवाल

रूस की इस परियोजना पर कई सवाल भी उठ रहे हैं। बायोप्रिंटिंग रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिक अलेक्जेंडर ओस्त्रोव्स्की का कहना है कि अगर रिसर्च के नतीजे बड़े इंटरनेशनल जर्नल्स में प्रकाशित नहीं हो रहे, तो इन दावों पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल है।ओस्त्रोव्स्की ने कहा कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से रूसी वैज्ञानिक दुनिया से काफी हद तक कट गए हैं। दुनिया से अलग रहकर साइंस में आगे बढ़ना आसान नहीं है, हो सकता है कि फंडिंग पाने के लिए पुतिन को वही बातें बताई जा रही हों, जो वह सुनना चाहते हैं। वहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस की एंटी-एजिंग रिसर्च पश्चिमी देशों की तुलना में कम जांची-परखी स्टडीज पर आधारित है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिक रूस में काफी ताकतवर और प्रभावशाली माने जाते हैं।

मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार तिरुचिरापल्ली पहुंचेंगे विजय

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय आज मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार तिरुचिरापल्ली का दौरा करेंगे। वह यहां एक जनसभा को संबोधित कर विधानसभा चुनाव में समर्थन देने वाले मतदाताओं का आभार व्यक्त करेंगे।टीवीके सूत्रों के अनुसार, विजय चार्टर्ड विमान से चेन्नई से रवाना होकर शाम करीब 4 बजे तिरुचिरापल्ली पहुंचेंगे और सेंट जोसेफ कॉलेज में आयोजित धन्यवाद सभा में हिस्सा लेंगे। चुनाव में उन्होंने तिरुचिरापल्ली ईस्ट और पेरम्बूर दोनों सीटों से जीत हासिल की थी, लेकिन बाद में तिरुचिरापल्ली ईस्ट सीट छोड़कर पेरम्बूर सीट बरकरार रखी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'डिस्ट्रिक्ट ड्रोन यूनिट' के तहत 18 अत्याधुनिक हाईटेक ड्रोन्स किए लोकार्पित, 10 पुलिस वाहनों को दिखाई हरी झंडी

सुशासन की दिशा में वरदान साबित हो रहा विज्ञान : मोहन

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्यप्रदेश में तकनीक आधारित सुशासन की पहल के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को इंदौर में 'डिस्ट्रिक्ट ड्रोन यूनिट' का लोकार्पण तथा 'इंदौर ट्रैफिक साथी' मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने 18 अत्याधुनिक हाईटेक ड्रोन्स का और 10 पुलिस वाहनों का लोकार्पण कर इन्हें इंदौर पुलिस के बेड़े में शामिल कराया। यह ड्रोन्स पुलिस की तीसरी आंख के रूप में हर वक्त कानून-व्यवस्था बनाए रखने, यातायात प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था को और भी अधिक प्रभावी बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों की मांग पर इंदौर शहर में तीन नए पुलिस थाने खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की कमी की पूर्ति भी क्रमबद्ध रूप से की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हर साल पुलिस विभाग के 22 हजार 500 पदों पर भर्ती कर रहे हैं। लगभग सभी पदों पर भर्ती जारी है। हम प्रदेश के हर जिले में पुलिस बैंड की स्थापना भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार हमेशा पुलिस विभाग के साथ है। परन्तु नागरिकों को बेवजह परेशानी या अपने पदीय कर्तव्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक लोगों के हित में है, तो एक चुनौती भी है, इसलिए इसका बेहतर उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ड्रोन पुलिस का कान्सेप्ट इंदौर से ही आया है। अब यह एक मिसाल बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर की ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक विकास के समन्वय को रेखांकित करते हुए कहा कि हमारी सरकार विरासत से विकास के मार्ग पर चल रही है। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने जिस इंदौर को सेवा, सुशासन और जनकल्याण के जीवन मूल्यों से जोड़ा था, अपनी श्रम साधना से सींचा था, आज वही शहर नवाचार और तकनीकी प्रगति के क्षेत्र में देश के लिए उदाहरण बन रहा है। उन्होंने कहा कि विज्ञान वास्तव में सुशासन की दिशा में लोक कल्याणकारी राज्य के लिए एक वरदान साबित हो रहा है। मध्यप्रदेश सरकार तकनीक से लोगों की तकदीर बदलने, उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और लोकसेवा का नया अध्याय लिखने के लिए प्रतिबद्ध है। आधुनिक तकनीकों का उपयोग प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के साथ नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'डिस्ट्रिक्ट ड्रोन यूनिट' और 'इंदौर ट्रैफिक साथी' जैसे नवाचार पुलिस और प्रशासन दोनों को नई ताकत प्रदान करेंगे। आज इंदौर में हुआ यह नवाचार पुलिस और प्रशासन दोनों को बेहतर काम करने की नई ऊर्जा देगा तथा नागरिक सुविधाओं को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल स्मार्ट और सुरक्षित इंदौर की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है, जो तकनीक और सुशासन के बेहतर समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बनेगी। आज लोकार्पित ड्रोन्स कानून व्यवस्था की स्थापना में पुलिस के लिए सहायक होंगे, वहीं ट्रैफिक साथी ऐप वाहन चालकों के लिए बेहद कारगर साबित होगा। इस ऐप के जरिए वाहन चालक पार्किंग की बेहतर लोकेशन जान सकेंगे।

पुलिस कमिश्नर इंदौर संतोष कुमार सिंह ने कहा कि इंदौर पुलिस के बेड़े में 18 ड्रोन्स शामिल किए जा रहे हैं। अब इंदौर पुलिस भीड़ के समुचितप्रबंधन में इन अत्याधुनिक ड्रोन्स के बेहतर उपयोग करने के लिये तैयार हो गई है। इन ड्रोन्स से 2 किलोमीटर का दायरा कवर होगा। उन्होंने कहा कि अब हम न सिर्फ ट्रैफिक बल्कि अपराधों पर भी नजर रख सकेंगे। इसका प्रयोग इंदौर में रंगपंचमी पर निकली गैर और बसंत पंचमी पर भोजशाला में कानून व्यवस्था के लिए किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इंदौर पुलिस ने 4 हजार 370 लोगों को निःशुल्क हेलमेट बांटे हैं। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व मंत्री एवं विधायिका सुश्री उषा ठाकुर, पूर्व मंत्री एवं विधायक महेन्द्र हार्डिया, विधायक रमेश मेंदोला, विधायिका मालिनी गौड़, विधायक मधु वर्मा, विधायक मनोज पटेल, विधायक राकेश शुक्ला सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

इंदौर के जल संकट की स्थिति पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ली बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर स्थित संभागायुक्त कार्यालय पहुंचकर शहर में उत्पन्न जल संकट की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की तथा अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि 24x7 जल नियंत्रण कक्ष के माध्यम से प्रतिदिन सुबह एवं शाम जलापूर्ति की समीक्षा की जाए। संकटग्रस्त वार्डों में विशेष जलापूर्ति योजना लागू कर प्रभावित क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर राहत प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिये कि नल से जल सप्लाई के समय में असमानता और विसंगतियों को तत्काल दूर किया जाये। साथ ही सभी क्षेत्रों में संतुलित जल वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शासकीय महाविद्यालयों, छात्रावासों तथा अन्य आवासीय संस्थानों में जल उपलब्धता की विशेष चिंता करने के निर्देश दिए। साथ ही जल चोरी करने वालों एवं मोटरों के माध्यम से अवैध रूप से पानी खींचने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई करने को कहा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि शहर की बड़ी जल टंकियों का पूर्ण क्षमता से उपयोग सुनिश्चित किया जाए। निजी एवं नगर निगम के टैंकरों की मिनट-टू-मिनट मॉनिटरिंग की जाए। पाइपलाइन लीकेज एवं वितरण हानि को तत्काल सुधारकर जल की बर्बादी रोकी जाए। इउन्होंने कहा कि भोपाल से वरिष्ठ अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी पूर्व में भी इंदौर का दौरा कर चुके हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें पुनः भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों और नागरिक समितियों के साथ नियमित संवाद तथा समन्वय बनाए रखने तथा जल संकट की स्थिति से संबंधित जानकारी एवं प्रतिवेदन मुख्यमंत्री कार्यालय को निरंतर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

गांव के होम स्टे में किया आराम

नर्मदापुरम कलेक्टर की बैलगाड़ी यात्रा, गांव पहुंचकर गिल्ली डंडा खेला

सच संवाददाता ॥ नर्मदापुरम

बचपन में खेले गए पारंपरिक खेल गिल्ली डंडा को देखकर नर्मदापुरम कलेक्टर सोमेश मिश्रा की पुरानी यादें ताजा हो गईं। इसके बाद उन्होंने डंडे से गिल्ली मार कर कई शॉट लगा दिए। वहीं, दूसरे अधिकारियों ने भी गिल्ली डंडे पर हाथ आजमाया। कलेक्टर के खेल को देख रहे पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हिमांशु जैन और वन मंडलाधिकारी गौरव शर्मा ने जमकर सराहना की। गिल्ली डंडा खेलने के बाद सभी अधिकारी बैलगाड़ी पर बैठकर ग्रामीण संस्कृति देखने के लिए निकल पड़े।नर्मदापुरम के सोहागपुर विकासखंड के छेड़का गांव में एक रात रुक कर कलेक्टर और सभी अधिकारियों ने ग्रामीण संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने की सभी से अपील की। नर्मदापुरम जिले में एक जिला एक उत्पाद के तहत पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। खास तौर से ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जिले में आइए गांव की ओर, बढ़ाएं पर्यटन की डोर अभियान भी शुरू किया गया है।इसी के तहत कलेक्टर ने अपने साथी अधिकारियों को गांव ले जाकर रात में होम स्टे कर विश्राम किया। ग्रामीण पर्यटन गतिविधियां, स्थानीय संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता आधारित पर्यटन मॉडल का अवलोकन किया। अधिकारियों ने होम स्टे संचालन, पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा कर ग्रामीण पर्यटन बढ़ाने पर जोर दिया।रात्रि विश्राम के दौरान अधिकारियों ने स्टार गेजिंग गतिविधि में भाग लिया। टेलीस्कोप के माध्यम से चंद्रमा और अन्य खगोलीय पिंडों का अवलोकन किया। इस अवसर पर प्रकृति और खगोल विज्ञान से संबंधित रोचक जानकारियों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर सोमेश मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों ने खगोलीय संरचनाओं को टेलीस्कोप से देखा। जिसमें सप्त ऋषि, शुक्र ग्रह जिसे सुबह का तारा या शाम का तारा कहा जाता है, सहित अन्य खगोलीय संरचना देखी। इस दौरान मौके पर मौजूद ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी अधिकारियों ने रोचक जानकारी दी।कलेक्टर सोमेश मिश्रा सहित सभी अधिकारियों ने सतपुड़ा ट्राइबल होम-स्टे में रात्रि विश्राम के दौरान मिलेट्स से बने पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया। होम-स्टे में पर्यटकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का स्वयं अनुभव किया। इस दौरान एसपी नर्मदापुरम, डीएफओ, जिला पंचायत सीईओ एवं अन्य उपस्थित अधिकारियों ने मिलेट्स से बनी रोटी, खीर एवं अन्य स्थानीय व्यंजनों का स्वाद चखा।छेड़का गांव के पास प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मढ़ई भी मौजूद है। मढ़ई की जंगल सफारी के लिए देश विदेश के हजारों पर्यटक साल भर आते हैं। यहां आस-पास कई ग्रामीण क्षेत्र में जंगल लगा हुआ है। स्थानीय जंगल में बाघ, तेंदुआ, भालू, सांभर, लकड़बग्घा आदि कई वन्यप्राणी मौजूद हैं। अधिकारियों के अनुसार मढ़ई आने वाले पर्यटक आसपास के ग्रामीण क्षेत्र की संस्कृति देखकर भी यहां के पर्यटन को बढ़ावा दे सकते हैं।कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा, होम-स्टे ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की एक प्रभावी और व्यापक पहल है। इसके माध्यम से पर्यटकों को ग्रामीण जीवन शैली, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय संस्कृति का विशेष अनुभव प्राप्त होता है। इस प्रकार की पहल से स्थानीय रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और ग्रामीण क्षेत्रों की सांस्कृतिक पहचान को नई पहचान मिलेगी।

उन्होंने नागरिकों से अपने गांवों की विशिष्ट पहचान, परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहरों को पर्यटन से जोड़कर ग्रामीण पर्यटन को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। पर्यटन स्थलों एवं प्राकृतिक क्षेत्रों को स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने का संदेश भी दिया।

गंदी नाली के पानी से बुझ रही लोगों की प्यास

छिंदवाड़ा। छोटे-छोटे बच्चे घर की महिलाएं सुबह से खाली बर्तन के साथ जग लेकर नाली की तरफ निकल पड़ती हैं, क्योंकि इस पानी को थोड़ा-थोड़ा करके बर्तनों में भरना है। फिर इसे ही पीने से लेकर सारे काम करना है। यह हालत हैं छिंदवाड़ा नगर निगम के वार्ड नंबर 16 के, जहां पर पिछले 15 दिनों से नल खराब होने की वजह से लोग नाली का गंदा पानी पी रहे हैं। छिंदवाड़ा नगर निगम के वार्ड नंबर 16 में 15 दिनों से ट्यूबवेल में पानी सूख गया है। इसी ट्यूबवेल से करीब 150 घरों में नल के जरिए पानी सप्लाई होता था। लोगों ने नगर निगम अधिकारियों से लेकर वार्ड पार्षद को भी जानकारी दी, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिलता रहा। एक दिन में महज दो या तीन टैंकर पानी भेजा जाता है, जो पर्याप्त नहीं होता। मजबूरी में लोगों को घर के पास से बहने वाले नाली का पानी पीने से लेकर हरेक कामों में उपयोग करना पड़ता है। दूषित पानी भरने वाली महिला गौरा नर्रे ने बताया कि 15 दिनों से पानी की समस्या है, मजबूरी है कि गंदा पानी हमें पीना पड़ रहा है, लेकिन इसके अलावा हमारे पास और कोई भी ऑप्शन नहीं है। वार्ड नंबर 16 के संजय यदुवंशी ने बताया कि 15 दिनों से ट्यूबवेल खराब हो चुका है। पार्षद को जानकारी दिए हैं, उन्होंने एक दो दिन कहकर टाल दिया तो अधिकारियों ने भी यही बात कही। छिंदवाड़ा के सबसे बड़े बांध माचागोरा से छिंदवाड़ा शहर में पानी की सप्लाई होती है। उसी की पाइपलाइन इस इलाके से होकर गुजरती है, जो पिछले 1 सालों से लीकेज है, जिसका पानी पूरी तरीके से दूषित और नाली में होता है, लेकिन यही दूषित पानी इन लोगों के लिए सहारा बना हुआ है और इसी का वे उपयोग कर रहे हैं।

शहरों में ज्यादा बच्चों से कतरा रहे परिवार, कम हुई प्रजनन दर

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 6 की ताजा रिपोर्ट में मध्य प्रदेश की प्रजनन दर को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। रिपोर्ट में सामने आया है कि प्रदेश के ग्रामीण इलाकों के मुकाबले शहरी क्षेत्रों में प्रजनन दर घट रही है। मध्य प्रदेश में औसत प्रजनन दर 2.1 है, जो कि जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए औसत मानी जाती है, लेकिन जबकि प्रदेश के ग्रामीण और शहरी इलाकों में इस दर में बड़ा अंतर है। विशेषज्ञ इसकी वजह करियर की चिंता, अधिक उम्र में होने वाली चिंता और महंगाई को मानते हैं।नेशनल फैमिली सर्वे 6 के ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश में जनसंख्या के स्थिरीकरण के लिए कुल प्रजनन दर 2.1 होना जरूरी है। यानी माता-पिता कम से कम से एक बच्चे को जन्म दे रहे हैं। मध्य प्रदेश की औसत प्रजनन दर तो इस औसत के बराबर है, लेकिन शहरी क्षेत्रों की प्रजनन दर इस औसत से काफी कम है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में यह दर 1.7 है, यानी महिला अपने जीवनकाल में पहले के मुकाबले कम बच्चों को जन्म दे रही है।जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा 2.3 है. हालांकि राष्ट्रीय स्तर के आंकड़ों के मुकाबले प्रदेश के शहरी क्षेत्रों की स्थिति थोड़ी बेहतर है। राष्ट्रीय स्तर पर शहरी क्षेत्रों में प्रजनन दर के आंकड़े 1.6 है। नेशनल हेल्थ मिशन के रिटायर्ड डायरेक्टर डॉक्टर पंकज शुक्ला कहते हैं शहरी क्षेत्रों में प्रजनन दर कम होने के पीछे कई कारण हैं। शहरी क्षेत्रों में महंगाई के दबाव का असर परिवार बढ़ाने पर पड़ रहा है। लोग छोटे परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं। इसके अलावा करियर की चिंता की वजह से लोग देरी से शादी कर रहे हैं और बाद में परिवार बढ़ाने से भी कतराते हैं, हालांकि ग्रामीण इलाकों में लाइफ स्टाइल पर होने वाले कम खर्चों आदि की वजह से अभी भी 1 से ज्यादा बच्चे पैदा कर रहे हैं। पहले आमतौर पर हर परिवार में 3 से 4 बच्चे होना आम बात होती थी, जबकि अब ज्यादातर परिवार 1 या 2 बच्चों तक ही सीमित हो जाते हैं।

उधर प्रदेश में कम उम्र में शादी का प्रतिशत थोड़ा कम हुआ है। प्रदेश में 20 से 24 साल की आयु वर्ग की 20 फीसदी महिलाओं की शादी 18 साल से पहले हो रही है। ग्रामीण इलाकों में 23.4 फीसदी युवतियों की शादी 18 साल के पहले हो जाती है, जबकि शहरी इलाकों में भी बाल विवाह के मामले सामने आ रहे हैं। शहरी इलाकों में 9 फीसदी युवतियों की शादी 18 साल से पहले हो रही है। हालांकि साल 2019-21 की रिपोर्ट में यह आंकड़ा 23.1 फीसदी था। इसी तरह प्रदेश में 25 से 29 साल के 25 फीसदी युवाओं की शादी विवाह की उम्र 21 साल के पहले ही हो गई।

प्रदेश प्रभारी 4 दिन बूथ से लेकर विधानसभा तक टटोलेंगे ताकत

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्यप्रदेश में आगामी राजनीतिक चुनौतियों और चुनावी तैयारियों के बीच कांग्रेस ने संगठन को नए सिरे से मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी रणनीति के तहत प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी 2 से 5 जून तक मालवा-निमाड़ अंचल के चार जिलों के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे संगठन की जमीनी स्थिति का आकलन करेंगे और बूथ स्तर तक पार्टी ढांचे को सक्रिय बनाने की योजना पर काम करेंगे। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि सत्ता तक पहुंचने की लड़ाई केवल बड़े नेताओं के दम पर नहीं, बल्कि मजबूत बूथ नेटवर्क और सक्रिय कार्यकर्ताओं के सहारे लड़ी जा सकती है। यही वजह है कि दौरे का फोकस जिला, विधानसभा, ब्लॉक और मंडल स्तर के पदाधिकारियों पर रखा गया है। चार दिवसीय दौरे में हरीश चौधरी नीमच, मंदसौर, रतलाम और उज्जैन में जिला समन्वय समितियों, विधानसभा प्रभारियों और ब्लॉक-मंडल अध्यक्षों के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। इन बैठकों में संगठन की सक्रियता, स्थानीय मुद्दों, कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेतृत्व बूथ स्तर पर संगठन की वास्तविक स्थिति जानने और निष्क्रिय इकाइयों को फिर से सक्रिय करने की रणनीति पर काम कर रहा है।

इस दौरान ब्लॉक, मंडल और नगर अध्यक्षों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। इनमें संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान, सोशल मीडिया गतिविधियों और विपक्ष की भूमिका को लेकर दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। कांग्रेस का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को सिर्फ राजनीतिक कार्यक्रमों तक सीमित न रखकर उन्हें क्षेत्रीय मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार करना है। राजनीतिक दृष्टि से मालवा-निमाड़ क्षेत्र को मध्यप्रदेश की सत्ता का अहम केंद्र माना जाता है। प्रदेश की कई विधानसभा सीटों पर इस क्षेत्र का सीधा प्रभाव पड़ता है। ऐसे में कांग्रेस यहां संगठनात्मक मजबूती को आगामी चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा मान रही है।

चार दिन, चार जिले और दर्जनों बैठकें

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2 जून को नीमच, 3 जून को मंदसौर, 4 जून को रतलाम और 5 जून को उज्जैन में बैठकें और प्रशिक्षण शिविर आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, जिला अध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, ब्लॉक और मंडल पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

आज से तबादलों का दौर शुरू 15 जून तक होंगे फेरबदल

सच संवाददाता ॥ भोपाल

राज्य सरकार की नई तबादला नीति लागू होने के बाद आज से प्रदेशभर में स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। सभी विभागों को 15 जून तक स्वैच्छिक और प्रशासनिक आधार पर तबादले करने की अनुमति दी गई है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा जारी निर्देशों के बाद विभिन्न विभागों ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। शुरुआती चरण में उन पदों को भरने पर विशेष जोर रहेगा, जो लंबे समय से खाली पड़े हैं। इसके साथ ही अधिसूचित और संवेदनशील क्षेत्रों में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नई तैनाती भी की जाएगी।

जानकारी के अनुसार शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन और पुलिस विभाग सहित कई प्रमुख विभागों ने स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पुलिस मुख्यालय ने भी आरक्षक से लेकर उप निरीक्षक (एसआई) स्तर तक के तबादले 5 जून तक करने के निर्देश दिए हैं, जिसके बाद जिलों में पुलिस अधीक्षक और पुलिस आयुक्त स्तर पर बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। तबादला नीति के अनुसार जिन विभागों में 200 तक कर्मचारी हैं, वहां अधिकतम 20 प्रतिशत तक स्थानांतरण किए जा सकेंगे। 200 से 1000 कर्मचारियों वाले विभागों में 15 प्रतिशत, 1000 से 2000 कर्मचारियों वाले विभागों में 10 प्रतिशत और 2000 से अधिक कर्मचारियों वाले विभागों में 5 प्रतिशत तक तबादले किए जा सकेंगे। नई नीति में महिला कर्मचारियों और सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच चुके कर्मचारियों को विशेष राहत दी गई है। अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाओं को गृह जिले में पदस्थ करने का प्रावधान किया गया है। वहीं जिन कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति में एक वर्ष या उससे कम समय बचा है, उनका सामान्य परिस्थितियों में तबादला नहीं किया जाएगा। पति-पत्नी को एक ही स्थान पर पदस्थ करने संबंधी मामलों को भी प्राथमिकता दी जाएगी।

अरहर की दाल को कीड़ों से बचाने व बेहतर स्वाद के लिए चूल्हे की राख का यूनिक ट्रीटमेंट

अरहर दाल को सालों सुरक्षित रखने की गजब राख तकनीक, पकाने में आसान और स्वाद लाजवाब

सच संवाददाता ॥ छिंदवाड़ा

लंबे अरसे बाद छिंदवाड़ा में अरहर की दाल को सालों तक सुरक्षित रखने के लिए कंडे की राख का इस्तेमाल होने लगा है। ऐसा करने से अरहल दाल को सुरक्षित रखने के लिए किसी दवा की जरूरत नहीं पड़ती। बिना रासायनिक खाद और कीटनाशकों के खेतों की मेढों में अरहर उगाकर चूल्हे की राख में भिगोकर रखने के बाद दाल बनाने का अनोखा तरीका ग्रामीण इलाकों में सालों पहले था। बीच में ये देसी तरीका लोगों ने छोड़ दिया था। लेकिन अब छिंदवाड़ा के ग्रामीण इलाकों में फिर से पुराने देसी तरीके पर लोगों ने चलना शुरू कर दिया है।

आजकल दालों में अंधाधुंध कीटनाशक उपयोग करने की वजह से लोगों में बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इसी को देखते हुए अब प्राकृतिक और जैविक खेती का चलन बढ़ रहा है। खेतों से जैविक तरीके से उगाई गई अरहर के बीज को चूल्हे की राख में हल्का सा तेल और पानी मिलाकर शाम को रख दिया जाता है। फिर सुबह हल्की धूप में सुखाया जाता है। इसके बाद हाथचक्की से पीसा जाता है। इसे राखवाली दाल कहते हैं। इस दाल में ना तो कोई पॉलिश होती है और ना ही किसी तरह का केमिकल मिलाया जाता है।

राख का ट्रीटमेंट के बाद अरहर दाल तुरंत पक जाती है। ऐसी दाल को आसानी से बाजार में दोगुनी कीमत मिलती है। इसी प्रकार की दाल बनाने वाली कुसुम चंद्रवंशी ने बताया गांवों में आज भी अधिकतर घरों में प्रेशर कुकर नहीं होता, जिस वजह से बाजार से लाई हुई दाल पकाने में दिक्कत होती है। चूल्हे की राख से बनाई गई दाल पकाने में आसान होती है और कुछ मिनट में ही बिना प्रेशर कुकर के दूसरे बर्तनों में भी पक जाती है। बाजार में जहां एक तरफ अरहर दाल की कीमत 130 रुपए तक है तो वहीं इस देसी दाल की कीमत 250 रुपए है।

वनस्पति शास्त्र विशेषज्ञ डॉ विकास शर्मा ने बताया दाल को जब इलेक्ट्रिक चक्की में पीसा जाता है तो बहुत गर्म होती है। गर्म होने की वजह से प्रोटीन तत्व काफी कम हो जाते हैं। देसी तरीके से बनाई गई दाल में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है, क्योंकि यह हाथचक्की से पीसी जाती है, जिसमें गर्म होने के चांस नहीं होते। इसके साथ ही राख मिलने से अरहर का छिलका निकालना आसान हो जाता है और प्राकृतिक गुण उसमें मिले होते हैं। कंडे की राख एक बेहतरीन प्राकृतिक कीटनाशक है। पौधों की पत्तियों और फूलों पर राख का छिड़काव करने से हानिकारक कीड़े और फंगस मर जाते हैं। ऐसा करने से अरहर दाल में कीड़े नहीं होते और उसे कई दिन तक स्टोर किया जा सकता है। दाल मिल के संचालक कीरत पटेल ने बताया मशीनों से दाल बनाना और घरेलू तरीके से दाल बनाने में काफी अंतर है। मशीन से दाल बनाने के लिए अरहर को सीधे सबसे पहले ग्रेडिंग मशीन में डाला जाता है और वहां से अरहर के बड़े और साफ दाने अलग होते हैं और उसका डस्ट अलग कर दिया जाता है। इसके बाद साफ हुई अरहर चक्की में जाती है और वहां से दाल और छिलका अलग हो जाता है। इसके बाद इसमें केमिकल मिलाकर के पॉलिश किया जाता है ताकि दाल बाजार में बेचने के लिए तैयार हो सके। घरेलू दाल बनाने का तरीका अलग होता है। इसमें सबसे पहले हाथों से अरहर की सफाई की जाती है और फिर उसमें कंडे की राख मिलकर देसी पत्थरों की चक्की में पीसा जाता है। जब यह दाल बनकर तैयार होती है तो इसे साफ करने के लिए पंखे या फिर सूपे की जरूरत होती है। बाजार की दाल और देसी दाल में दिखने में काफी अंतर होता है। बाजार की दाल चमकदार और आकर्षक दिखती है। देसी तरीके से बनाई गई दाल में छिलके ज्यादातर दिखाई देते हैं। जैविक खेती करने वाले सोनू बोनिया ने बताया जैविक अरहर की दाल में खास बातें होती है कि उसे खेतों में लगाने से लेकर प्रोसेसिंग की प्रक्रिया तक किसी भी मशीन की जरूरत नहीं होती। क्योंकि इसे खेतों के आसपास मेढ़ों में लगाया जाता है, जहां पर हल या ट्रैक्टर की जगह घरेलू कुदाली से छोटे-छोटे गड्ढे बारिश के बाद किए जाते हैं। वहां अरहर हाथों से लगाया जाता है, जिसे टोभना कहा जाता है। लगाने के बाद इसमें गोबर की खाद डाली जाती है और बाद में इसे हाथों से ही कटाई की जाती है। इसके दाने निकालने के लिए कोई मशीन की जरूरत नहीं बल्कि से सूखने के बाद जमीन में पटक कर अरहर निकाल कर फिर उसे दाल बनाने का प्रोसेस शुरू किया जाता है।

पशुपालन क्षेत्र में डिजिटल क्रांति की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश

पशुपालकों को मोबाइल पर मिलेगी पशुओं को संतुलित आहार खिलाने की जानकारी

सच संवाददाता || भोपाल

प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने तथा पशुपालकों एवं किसानों को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से पशुओं के संतुलित आहार प्रबंधन की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में पशुपालन एवं डेयरी विभाग निरंतर नवाचार कर रहा है। इसी क्रम में विभाग द्वारा गोरस मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। यह ऐप पशुपालकों को वैज्ञानिक आधार पर पशुओं के आहार प्रबंधन की सटीक जानकारी उपलब्ध कराएगा।

इस ऐप के उपयोग से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। इससे पशुपालकों की आय में भी बढ़ोतरी होगी। प्रदेश के पशुपालक एवं किसान गूगल प्ले स्टोर से इस ऐप को आसानी से डाउनलोड कर सकते हैं। मध्यप्रदेश में दो करोड़ से अधिक गायों और भैंसों का पालन किया जाता है, लेकिन अधिकांश पशुपालक अभी भी पारंपरिक तरीके से पशुओं को आहार देते हैं।

वैज्ञानिक पद्धति से संतुलित पोषण न मिलने के कारण पशुओं की उत्पादन क्षमता प्रभावित होती है। इसके परिणामस्वरूप दूध उत्पादन में 20 से 30 फीसदी तक की कमी आती हैं। पशुपालकों की इन समस्याओं के समाधान के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा गोरस मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। पशुपालक जैसे ही अपने पशु से संबंधित जानकारी, जैसे नस्ल, वजन, दुग्ध उत्पादन, दुग्ध उत्पादन का चरण तथा वर्तमान पशु आहार आदि दर्ज करेंगे, ऐप उनके पशु के लिए संतुलित आहार की मात्रा और प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराएगा। इसके साथ ही ऐप यह भी बताएगा कि आहार प्रबंधन में सुधार करने पर एक ब्यांत के दौरान पशुपालक को कितना आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐप वर्तमान में दिए जा रहे आहार के कारण होने वाले संभावित नुकसान की जानकारी भी देगा। विभाग की यह पहल प्रदेश में वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने बताया कि प्रदेश के किसानों और पशुपालकों को पशुओं के पोषण संबंधी जानकारी मोबाइल पर उपलब्ध कराने तथा वैज्ञानिक पद्धति से पशुपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभाग द्वारा गोरस मोबाइल ऐप विकसित कराया गया है। उन्होंने बताया कि यह ऐप सरल एवं सहज हिंदी भाषा में तैयार किया गया है और गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। पशुपालक एवं किसान इसे आसानी से डाउनलोड कर इसका लाभ उठा सकते हैं।

विधायक सबनानी की शिकायत पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

भदभदा में अवैध आइसक्रीम फैक्ट्री सील

सच संवाददाता || भोपाल

राजधानी भोपाल के दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाली एक कथित अवैध आइसक्रीम फैक्ट्री पर नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। भदभदा चौराहे के पास मस्जिद के बगल में संचालित इस फैक्ट्री पर छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में कच्चा माल और मशीनें जब्त की गईं। वहीं आइसक्रीम और बर्फ के नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। फैक्ट्री संचालक शकील खान पर 10 हजार रुपए का चालान भी किया गया। जानकारी के अनुसार, क्षेत्रीय नागरिकों ने फैक्ट्री में अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य सामग्री तैयार किए जाने की शिकायत दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के विधायक भगवानदास सबनानी से की थी। शिकायत मिलने के बाद विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम अधिकारियों को तत्काल जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर निगम की टीम जब फैक्ट्री पहुंची तो वहां कथित रूप से बेहद गंदगी और अस्वच्छ माहौल में आइसक्रीम का निर्माण होता पाया गया। अधिकारियों ने मौके से निर्माण में उपयोग हो रहे कच्चे माल और उपकरणों को जब्त कर लिया। साथ ही तैयार आइसक्रीम और बर्फ के नमूने गुणवत्ता जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि फैक्ट्री में आइसक्रीम जमाने के लिए ऐसी बर्फ का इस्तेमाल किया जा रहा था, जिसका उपयोग मछलियों को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है। हालांकि इस आरोप की पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, फैक्ट्री आवश्यक अनुमति और नियमों का पालन किए बिना संचालित की जा रही थी। इसी आधार पर परिसर को सील करते हुए संचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि जनता के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध और नियमविरुद्ध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में नगर निगम द्वारा इसी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान भी चलाया गया था। अब खाद्य सुरक्षा और जनस्वास्थ्य से जुड़े मामलों पर भी प्रशासन सख्त रुख अपनाता नजर आ रहा है।

विजय नगर महामृत्युंजय मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा में बही श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की भक्ति रसधारा

सच संवाददाता || भोपाल

विजय नगर, लालघाटी स्थित महामृत्युंजय मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ के चतुर्थ दिवस पर श्रद्धालु श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और नंद उत्सव की भक्ति भावनाओं में सराबोर हो गए। कथा के दौरान समुद्र मंथन, मत्स्य अवतार, वामन अवतार और भगवान श्रीराम के अवतार प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग की मनोहारी झांकी प्रस्तुत होते ही नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोषों से मंदिर परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की गई और बच्चों को खिलौने एवं टॉफियां वितरित की गईं। इस अवसर पर माखन-मिश्री का प्रसाद भी बड़ी संख्या में भक्तों को बांटा गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला आध्यात्मिक मार्गदर्शन है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन मानवता के लिए प्रेरणा स्रोत है और भागवत कथा समाज में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करती है। समिति के उपाध्यक्ष नंदलाल मोतियानी ने बताया कि यह श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ स्व. कन्हैयालाल सबधाणी की प्रथम पुण्यतिथि की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

कथावाचिका साध्वी मंजरी प्रिया जी ने श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान पृथ्वी पर अवतरित होकर धर्म की स्थापना करते हैं। उनके कथन ने श्रद्धालुओं को गहराई से भावविभोर कर दिया। झांकी में वासुदेव की भूमिका में आनंद सबधाणी तथा नंद-यशोदा की भूमिका में मनोज वर्मा और बबीता वर्मा ने प्रभावी प्रस्तुति दी। पूरी कथा के दौरान भक्ति संगीत और जयघोषों ने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम में अशोक गुप्ता, नानक परवानी, कैलाश शर्मा, कमल प्रेमचंदानी, मनोज वर्मा, अशोक टिलवानी, सरला नागदेव, विनोद थावानी, सुंदर किशनानी, नंदलाल मोतियानी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

11 शासकीय महाविद्यालयों में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर नए संकाय और विषय होंगे प्रारंभ

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश में विस्तार और विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 शासकीय महाविद्यालयों में नए संकाय एवं विषय प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान की है। इस संबंध में विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रदेश छह शासकीय महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय प्रारंभ किया जाएगा। इसके अंतर्गत भौतिकी, रसायन विज्ञान, प्राणीशास्त्र, गणित एवं वनस्पति विज्ञान विषयों का संचालन किया जाएगा। जिन महाविद्यालयों में विज्ञान संकाय प्रारंभ किया जा रहा है, उनमें शासकीय महाविद्यालय देवेंद्रनगर, केसली, रहली, गढ़ाकोटा, शाहगढ़ और जावर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, शासकीय महाविद्यालय ढाना में स्नातक स्तर पर इतिहास विषय प्रारंभ करने की स्वीकृति भी प्रदान की गई है।

भीषण गर्मी में भोपालवासियों को नहीं होगी पानी की कमी, नगर निगम अलर्ट मोड पर : रविंद्र यति

सच संवाददाता || भोपाल

भीषण गर्मी के बीच भोपाल शहर में पेयजल संकट की आशंकाओं को देखते हुए नगर निगम भोपाल ने जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर निगम के नवनिर्मित मुख्यालय अटल भवन में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में नगर सरकार के मंत्री एवं जलकार्य-सीवेज विभाग के एमआईसी सदस्य तथा भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यति ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के किसी भी नागरिक को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े।

बैठक में जल कार्य, विद्युत एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ जलापूर्ति व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। रविंद्र यति ने सभी जोन अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जल प्रदाय व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखें और पाइपलाइन लीकेज, जलापूर्ति बाधित होने या अन्य तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने अवैध रूप से मोटर पंप लगाकर जलापूर्ति के दबाव को प्रभावित करने वाले तत्वों पर भी सख्ती बरतने के निर्देश दिए। ऐसे मामलों में विशेष अभियान चलाकर अवैध मोटर पंप जब्त करने और नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि श्रमिक बस्तियों, दूरस्थ क्षेत्रों और जरूरतमंद इलाकों में 24 घंटे पानी के टैंकर उपलब्ध रहेंगे। आवश्यकता पड़ने पर निजी टैंकरों की सेवाएं भी ली जाएंगी, ताकि किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट उत्पन्न न हो। गर्मी से राहत के लिए शहर में अधिक संख्या में प्याऊ और ठंडे पेयजल स्टॉल स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए। श्रमिकों के एकत्रीकरण स्थलों पर 30 जून तक प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 11 बजे तक विशेष पेयजल स्टॉल संचालित किए जाएंगे।

रविंद्र यति ने विद्युत विभाग को भी सतर्क रहने के निर्देश देते हुए कहा कि आंधी-तूफान या अन्य कारणों से बिजली बाधित होने की स्थिति में जलाशयों, ओवरहेड टैंकों और पंपिंग स्टेशनों की विद्युत आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर बहाल की जाए, जिससे जलापूर्ति प्रभावित न हो। समीक्षा बैठक में केरवा, बड़ा तालाब, नर्मदा परियोजना सहित शहर के प्रमुख जल स्रोतों और जलाशयों की स्थिति पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को जल स्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण और जल गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

रविंद्र यति ने कहा कि भाजपा की नगर सरकार नागरिकों को स्वच्छ, पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भीषण गर्मी के दौरान भोपाल में पानी की कमी नहीं होने दी जाएगी और नगर निगम का अमला 24 घंटे जनता की सेवा के लिए तत्पर रहेगा। बैठक में एडिशनल कमिश्नर (आईएएस) तन्मय शर्मा, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग सहित जल कार्य विभाग के विभिन्न जोनों के एई, जेई और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एम्स भोपाल में माइंडफुल ईटिंग पर कार्यशाला

सच संवाददाता || भोपाल

एम्स भोपाल के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर ने स्वस्थ खानपान और बेहतर जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए दो दिवसीय माइंडफुल ईटिंग कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में लोगों को सिखाया गया कि धीरे-धीरे, ध्यानपूर्वक और सही मात्रा में भोजन करने से मोटापा, पाचन संबंधी समस्याएं और कई जीवनशैली रोगों से बचाव हो सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि माइंडफुल ईटिंग की आदत अपनाकर आम नागरिक अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। एम्स भोपाल स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए लगातार जागरूक कर रहा है। यह कार्यक्रम डॉ. राजकुमार पाटिल (अध्यक्ष, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर) के मार्गदर्शन में तथा श्रीमती नेहा सैनी (नर्सिंग ऑफिसर, एम्स भोपाल) के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यशाला में कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के पहले सत्र में प्रतिभागियों को माइंडफुल ईटिंग के बारे में सरल तरीके से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर जल्दी-जल्दी खाना खाते हैं, जिससे मोटापा, मधुमेह, पाचन संबंधी समस्याएं और तनाव जैसी परेशानियां बढ़ सकती हैं। ऐसे में भोजन को धीरे-धीरे, ध्यानपूर्वक और सही मात्रा में खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी होता है।

भोपाल के 291 स्कूल और 32 गांव हुए टोबैको फ्री

सच संवाददाता || भोपाल

विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई के उपलक्ष्य में जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जेपी जिला चिकित्सालय,भोपाल में आकर्षण का पर्दाफाश तंबाकू की लत का मुकाबला थीम पर तंबाकू निषेध सप्ताह पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व तंबाकू निषेध दिवस 25 से 31 मई मनाया जाता है। भोपाल में 291 स्कूलों और 32 गांवों को टोबैको फ्री किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन, आरएमओ प्रमेंद्र शर्मा, डॉ. ज्योतिर्मय चक्रवर्ती एवं काउंसलर सारिका दुबे उपस्थित रहे। राष्ट्रीय तंबाकू व्यसन मुक्ति केंद्र के जिला नोडल अधिकारी डॉ. ज्योतिर्मय चक्रवर्ती, समस्त दंत रोग विशेषज्ञ, ओपीडी चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ, तंबाकू व्यसन मुक्ति केंद्र परामर्शदाता , उपस्थित रहे।

तंबाकू उत्पादों के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए एंबुलेंस के माध्यम से शहर में तंबाकू निषेध जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य तंबाकू कंपनियों के भ्रामक व्यापारिक प्रचार का मुकाबला कर लोगों को सही जानकारी देना है। एंबुलेंस पर तंबाकू निषेध के बैनर लगाकर शहर में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं तथा स्कूली बच्चों द्वारा %नशे के विरुद्ध% विषय पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। तंबाखू के उपयोग करने वालों को खैनी- गुटखा की जगह सौंफ, अदरक, नींबू-पानी, गुड़-मूंगफली जैसे सुरक्षित विकल्प अपनाएं। तंबाकू मुक्त प्रेग्नेंसी की शपथ दिलाई गई।

गायत्री परिवार ने जगाई व्यसनमुक्ति की अलख

सच संवाददाता || भोपाल

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर गायत्री परिवार ने कोलार पर रैली निकाल कर व्यसनमुक्ति की अलख गाई। रैली में विधायक रामेश्वर शर्मा एवं पार्षद बंटी भदोरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस रैली का समापन बीमा कुंज कॉलोनी के पार्क में एक सभा के रूप में हुआ जिसमें गायत्री परिवार के प्रांतीय समन्वयक राजेश पटेल जोन समन्वयक आर पी हजारी, शक्तिपीठ प्रभारी राकेश गुप्ता जी एवं अन्य वरिष्ठ परिजन उपस्थित रहे। मंच पर व्यसन मुक्ति आंदोलन का परिचय देते हुए श्री राजेश पटेल ने बताया कि हमारा दृष्टिकोण किसी को जोर जबरदस्ती करना नहीं वरन उसके विचार और दृष्टिकोण बदलकर व्यसन से दूर करना है। जैसा कि गायत्री परिवार का ध्येय वाक्य है - हम सुधरेंगे युक्त सुधरेगा - इसी आधार पर हम स्वयं एक आदर्श व्यक्ति बनकर दूसरों को आदर्श बनने की प्रेरणा देते हैं। सभा में विशेष रूप से महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर से पधारे व्यसन मुक्ति अभियान के समर्पित कार्यकर्ता संतोष तोतला भी उपस्थित रहे ।

अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर निकला चल समारोह

सच संवाददाता || भोपाल

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर माता मंदिर क्षेत्र में पाल समाज श्रीकृष्ण गोवर्धन गिरिराज मंदिर समिति के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। शाम के समय पाल समाज श्रीकृष्ण गोवर्धन मंदिर प्रांगण से चल समारोह निकाला गया डो मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए माता मंदिर सेकंड स्टॉप पर पहुंचा, जहां इसका भव्य समापन हुआ। चल समारोह के मार्ग में जगह-जगह मंच बनाकर समाज के गणमान्य नागरिकों और स्थानीय निवासियों द्वारा पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया और समाज जनों का उत्साहवर्धन किया गया।इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक भगवान दास सबनानी ने अपने उद्बोधन में लोकमाता के अवदान को याद करते हुए कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर केवल एक शासक नहीं, बल्कि लोकमाता के रूप में देश और दुनिया में अपने उल्लेखित और जनकल्याणकारी कार्यों के लिए जानी जाती हैं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे भोपाल नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी पार्षद पाल समाज श्रीकृष्ण गोवर्धन गिरिराज मंदिर समिति के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह बघेल ने भी संबोधित किया।

भारतीय हिन्दू महासंघ के प्रदेश स्तरीय चुनाव संपन्न, एलएल सोनी पुनः प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित

भोपाल। भारतीय हिन्दू महासंघ के प्रदेश स्तरीय चुनाव संपन्न हो गए हैं। चुनाव प्रक्रिया के बाद एल.एल. सोनी को पुन: प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं पुष्पेन्दु मिश्रा को प्रदेश महामंत्री तथा अखिलेश सोनी एवं कैलाश राठौर को संगठन मंत्री चुना गया है। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा के साथ संगठन ने प्रदेश में अपने विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। महासंघ के अनुसार, प्रदेश के 55 जिलों में से 18 जिलों में जिला इकाइयों का गठन कर जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की जा चुकी है।

राज्य कर्मचारी संघ ने लगाया समस्या निवारण शिविर

सच संवाददाता || भोपाल

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ प्रदेश कार्यालय एफ - 85/47 तुलसी नगर भोपाल में संघ की जिला इकाई भोपाल के पदाधिकारियों की बैठक हुई जिसमें कर्मचारियो की समस्याओ से अवगत होकर सरकार तक पहुंचाने के लिए जिले के अधिकारियो को निर्देशित किया गया। बैठक में करने वाले कर्मचारियों के प्रतिनिधि विधायक माननीय भगवान दास सबनानी , प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव , प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में कर्मचारियों की लंबित मांगों सहित जघन्य समस्याओं पर चर्चा की गई। विधायक सबनानी द्वारा आयुष विभाग के समयमान, लोक निर्माण विभाग के समयमान के लिए वरिष्ठ अधिकारियों साथ ङी शिक्षा विभाग के विकलांग भत्ता के लिए हेड चेंज करने, अर्जित अवकाश के एरियर आदि के निराकरण हेतु अधिकारियों से फोन पर चर्चा कर शीघ्र निराकृत करने हेतु कहा गया।

इस अवसर पर टीईटी परीक्षा हेतु केंद्र कार्यकारिणी के माध्यम से केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से चर्चा हेतु समय लेकर निरकारण का प्रस्ताव दिया गया। तथा जिला अध्यक्ष जितेंद्र शाक्य एवं जिला सचिव शिवेंद्र चौहान ने जिला संगठन में जिला उपाध्यक्ष के दायित्व के लिए राकेश धनगर शिक्षक कार्यालय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ईंटखेड़ी को नियुक्ति पत्र विधायक द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा, प्रदेश संगठन मंत्री राजकुमार चंदेल, प्रदेश कार्यालय मंत्री रज्जू रैकवार, प्रदेश मंत्री संजय अवस्थी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

सांसद पर भीड़ का हमला

तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सांसद एवं पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी पर भीड़ ने ऐसा हमला किया कि लोकतंत्र पर सवाल उठने लगे। अभिषेक पर अंडे फेंके गए, पत्थर मारे गए, लात-थप्पड़ तक चले, उनकी कमीज फाड़ दी गई, उन्हें 'चोर, चोर' कहा गया, उनका चश्मा भी तोड़ दिया गया। सांसद को हेलमेट पहना कर, किसी तरह, वहां से निकाला गया। वह अब भी अस्पताल में भर्ती बताए जाते हैं। पश्चिम बंगाल के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की, 15 लंबे सालों की सत्ता के बाद, करारी पराजय हुई है। मुख्यमंत्री रहीं एवं पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी तक हार गईं। अभिषेक ममता के ही सगे भतीजे हैं। बंगाल की जनता ने जनादेश के जरिए अपना गुस्सा, असंतोष, तृणमूल सरकार के प्रति नाराजगी और अस्वीकृति जता दी है। लोकतंत्र का बुनियादी अध्याय यहीं समाप्त होना चाहिए। अभिषेक पर भ्रष्टाचार, कटमनी, अवैध संपत्तियों, कोयला घोटाला, शिक्षा भर्ती घोटाला और धनशोधन के कई गंभीर आरोप हैं। जांच एजेंसियां और अदालत अपना काम कर रही हैं। अभिषेक दक्षिण 24, परगना के सोनारपुर इलाके में चुनावी हिंसा के शिकार पार्टी कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलने तथा सहानुभूति जताने जा रहे थे। संभव है कि उस इलाके में सडक़ों, बिजली, पानी, नालियों का रखरखाव और उनकी व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी, लिहाजा लोगों का उत्तेजित होना, हारे हुए नेता के खिलाफ नारेबाजी करना, सीमित विरोध-प्रदर्शन करना स्वाभाविक है, लेकिन वह सब कुछ कानून-व्यवस्था के दायरे में किया जाना चाहिए। संयम और नियंत्रण की 'लाल लकीर' पार नहीं की जानी चाहिए, लेकिन भारत में सब कुछ उलट ही होता है। भीड़ कानून नहीं बना सकती। भीड़ सजा नहीं सुना सकती और न ही सजा दे सकती है। भीड़ का ऐसा व्यवहार पूरी तरह कानूनहीनता है। चुनाव तो देश की प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी, कई मुख्यमंत्री और मंत्री हारे हैं। भीड़ शारीरिक हिंसा पर आमादा नहीं हो सकती। भारत में भीड़ अक्सर निरंकुश और हिंसक रही है। यह देश के कई हिस्सों में दंगों के दौरान देखा गया है। भीड़ पथराव करती है, लाठियां-तलवारें चमकाती है और पेट्रोल बम तक भी फेंकती है। क्या फिर भी हम 'महान लोकतंत्र' हैं? क्या इन आपराधिक हरकतों को 'लोकतंत्र' माना जा सकता है? तीन बार के निर्वाचित सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ भीड़ ने जो किया है, वह निश्चित तौर पर अराजकता, सड़किया गुंडई, बेलगाम हिंसा, उन्माद, उच्छृंखलता के अलावा कुछ भी नहीं है। भीड़ का एक चेहरा देश के रक्षा-कृषि मंत्री रहे और अब भी राज्यसभा सांसद शरद पवार को थप्पड़ रसीद कर देता है, केंद्रीय वित्त-गृह मंत्री रहे और अब भी राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम पर जूता उछाला जाता है, दिल्ली के 10 साल मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल के चेहरे पर कई बार कालिख पोती गई। बंगाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पथराव किया गया। पिछले चुनाव में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के तत्कालीन प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय पर भी हमले किए गए। आज एक और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हमला किया गया। यह कैसा लोकतंत्र है? ये हरकतें क्या दर्शाती हैं? बंगाल में अब भाजपा की सरकार है और सुवेन्दु अधिकारी मुख्यमंत्री हैं। वह बहुत तेजी से व्यवस्था बदलने में जुटे हैं।

कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती

स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि ईरान-अमरीका संकट के बीच भारत में अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन एक सुरक्षा कवच की तरह है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि 2008 की वैश्विक मंदी में भी भारत की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत के कारण बहुत कम प्रभावित हुई। इतना ही नहीं छह साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे। हमें गेहूं के निर्धारित निर्यात आदेशों की पूर्ति के साथ गेहूं के आगामी किसी भी नए निर्यात आदेश की पूर्ति के लिए सजगता रखनी होगी। देश ने देखा है कि वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा। ऐसे में अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा।

हाल ही में 29 मई को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश की धडक़न माने जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग ने साल 2026 के मानसून के अपने पुराने अनुमान को और घटा दिया है। पहले जहां आईएमडी ने लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलआरए) की 92 फीसदी बारिश होने का अनुमान लगाया था, वहीं अब इसे घटाकर 90 फीसदी कर दिया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि देश में इस साल 'सामान्य से कम' बारिश होने की पूरी आशंका है। इस पूर्वानुमान में 4 फीसदी का मॉडल एरर (ऊपर या नीचे) हो सकता है। अगर मौसम विभाग का यह ताजा अनुमान सच साबित होता है, तो भारत पिछले एक दशक के सबसे सूखे मानसून का सामना करेगा। इससे पहले साल 2015 में भारत में इतनी कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, जब मानसून सामान्य से लगभग 13 फीसदी कम था। चूंकि मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश कम होगी, अतएव पहले से ही ईरान युद्ध के कारण महंगाई की मार झेल रहे भारत की आर्थिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। स्पष्ट है कि अल-नीनो के सक्रिय होने से देश के कई हिस्सों में बारिश पर बुरा असर पड़ सकता है, जिससे फसलों की प्लानिंग और किसानों की कमाई प्रभावित होगी। यदि हम देश में पिछले कमजोर मानसूनों और अलनीनों के प्रभाव का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि सामान्य से कम मानसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई, किन्तु गैर-सिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली दलहन और तिलहन जैसी फसलों के लिए जोखिम हो सकती हैं।

साथ ही दलहन और तिलहन का कम उत्पादन खाद्य महंगाई पर असर डाल सकता है। एक ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से खेती की लागत बढ़ी है, तब कमजोर मानसून से न केवल किसानों और कृषि पर, वरन आम आदमी और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। साथ ही पेयजल समस्या की चुनौतियां भी बढ़ सकती हैं। वस्तुत: जलाशयों में पर्याप्त पानी 2025 के मानसून सीजन में अच्छी बारिश के कारण है, लेकिन अब इस साल कमजोर मानसून की आशंका से पानी का संग्रहित स्टॉक जल्दी खत्म हो सकता है। गौरतलब है कि नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 फीसदी सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मानसून पर निर्भर है। कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स (सीडब्ल्यूएमआई) के अनुसार लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मानसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी हुई है। अब अल-नीनो के खतरे और

कमजोर मानसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। वास्तव में देश के किसानों और कृषि क्षेत्र की चिंताएं बढ़ाने वाला यह परिदृश्य देश के वर्तमान सुकूनदायक कृषि क्षेत्र के समक्ष एक चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है। ऐसे में इस वर्ष सामान्य से कम मानसून और खेती की बढ़ती लागत के मद्देनजर अभी से कई बातों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। इस बात पर ध्यान देना होगा कि कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। चूंकि देश के विभिन्न हिस्सों में विविध जलवायु है और कृषि अनुकूल जलवायु क्षेत्रों के मामले में वह समृद्ध है, अतएव ऐसे में भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढऩा होगा। चूंकि देश में अभी भी अनाज, दाल तथा तिलहन के उत्पादन का स्तर मौसम पर ही निर्भर होता है, ऐसे में क्षेत्रवार और फसलवार आधार का व्यापक अध्ययन करते हुए सिंचाई व्यवस्था की नई नीति तैयार करना लाभप्रद होगी। हमें कमजोर मानसून और अल नीनो के खतरे के पूर्वानुमान के बीच खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खाद्य भंडारण को मजबूत करना होगा। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि ईरान-अमरीका संकट के बीच भारत में अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन एक सुरक्षा कवच की तरह है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि 2008 की वैश्विक मंदी में भी भारत की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत के कारण बहुत कम प्रभावित हुई। इतना ही नहीं छह साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे। हमें गेहूं के निर्धारित निर्यात आदेशों की पूर्ति के साथ गेहूं के आगामी किसी भी नए निर्यात आदेश की पूर्ति के लिए सजगता रखनी होगी। देश ने देखा है कि वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा। ऐसे में अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा। चूंकि इस साल खरीफ सीजन की बुआई शुरू होने से पहले ही देश के किसानों और नीति-निर्माताओं की चिंताएं काफी बढ़ गई हैं और मौसम विभाग के ताजा अनुमानों ने संकेत दिए हैं कि देश के कई हिस्सों में इस बार पिछले 10 सालों का सबसे खराब और सूखा मानसून देखने को मिल सकता है। ऐसे में अल-नीनो के बढ़ते असर को देखते हुए केंद्र सरकार को रणनीतिपूर्वक आगे बढऩा होगा। किसानों को इस बड़े मौसमी संकट से बचाने के लिए सरकार ने 1 जून 2026 से देशव्यापी 'खेत बचाओ' अभियान के तहत आगे बढऩे की रणनीति बनाई भी है। इसके तहत किसानों को उनके इलाके और फसल के हिसाब से खास सलाह (क्रॉप-स्पेसिफिक एडवाइजरी) दी जाएगी ताकि वे मौसम के जोखिमों को समझकर सही फैसला ले सकें। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सिर्फ जानकारी बांटना नहीं है, बल्कि जमीन पर जाकर किसानों को यह बताना है कि उन्हें कम बारिश या सूखे के खतरे वाले इलाकों में कौनसी फसल बोनी चाहिए, किस फसल की तरफ बदलाव करना चाहिए और उनके पास पारंपरिक खेती के क्या बेहतर विकल्प मौजूद हैं। किसानों को उनके इलाके के मौसम, वहां की मिट्टी और बाजार की मांग के हिसाब से व्यावहारिक गाइडेंस दी जाएगी।

यह बात महत्वपूर्ण है कि इस बड़े संकट से निपटने के लिए सरकार ने एक व्यापक और सहयोगी ढांचा तैयार किया है। इस अभियान में स्थानीय पंचायतों, राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और स्थानीय कृषि विभागों को एक साथ जोड़ा गया है। देश के कोने-कोने तक अपनी पहुंच मजबूत करने के लिए 1600 से ज्यादा विशेष टीमें बनाई गई हैं। इनमें से 500 टीमें विशेष रूप से देश के उन 100 जिलों में तैनात की जाएंगी, जहां रासायनिक खादों की खपत सबसे ज्यादा है। इस अभियान के जरिए सरकार अपनी अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी सीधे किसानों तक पहुंचाएगी। टीमें खेतों में जाकर किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम-किसान जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करेंगी। इसके साथ ही दालों और तिलहन के उत्पादन को बढ़ाने, ऑयल पाम की खेती, कॉटन मिशन, सॉइल हेल्थ मैनेजमेंट और जल संरक्षण जैसे अभियानों को भी इसी अभियान से जोडक़र जागरूकता फैलाई जाएगी। उम्मीद करें कि सरकार इस वर्ष 2026 में राष्ट्रीय और वैश्विक मौसम अनुमानों में भारत के लिए बताए गए कमजोर मानसून, अलनीनो और कृषि की बढ़ी हुई लागत संबंधी चुनौतियों से निपटेगी।

-डा. जयंती लाल भंडारी

भोपाल गौरव दिवस : संघर्ष, बलिदान और राष्ट्रभक्ति की अमर गाथा

आलोक शर्मा

आज भोपाल अपनी आजादी की 77वीं वर्षगांठ भोपाल गौरव दिवस के रूप में मना रहा है। भोपाल की जनता और विशेष तौर पर युवा पीढ़ी को यह जानना बहुत जरूरी है कि भोपाल को असली आजादी देश की स्वतंत्रता के 2 साल बाद 1 जून 1949 में इतनी देर से क्यों और कैसे मिली? दरअसल भारत को अंग्रेजी हुकूमत से आजादी 15 अगस्त 1947 हो चुकी थी लेकिन तब भोपाल आजाद नहीं हुआ था। न ही यहां आजादी की खुशियां मनाई गईं। जब पूरे देश में आजादी का जश्न बनाया जा रहा था तब भोपाल में सन्नाटा पसरा हुआ था। भोपाल में तिरंगा 659 दिनों बाद फहराया जा सका। स्वतंत्रता की देशभर में बिखरी 584 में अधिकांश रियासतें सरदार वल्लभभाई पटेल के भागीरथी प्रयासों से स्वतंत्र भारत का हिस्सा बन चुकी थी किंतु मोहम्मद अली जिन्ना के बहकावे में जूनागढ़, भोपाल और हैदराबाद सहित कुछ रियासतें आजाद भारत का अंग बनने की बजाय अलग रहते हुए पाकिस्तान में विलय के लिए आतुर थी। लेकिन भोपाल की जनता को यह स्वीकार नहीं था। भोपाल का नवाब हमीदुल्लाह खां को पाकिस्तान का गवर्नर जनरल बना दिए जाने का भी लालच दिया गया था। अंग्रेजों के चाटुकार व स्वतंत्रता आंदोलन के विरोधी देशी रियासतों के संगठन चेंबर ऑफ प्रिंसेस के दो बार चांसलर रहे भोपाल नवाब का बाकी राजे-राजबाड़ों पर भी प्रभाव था। भोपाल रियासत के ही शिक्षित देशभक्त नवयुवकों ने भोपाल को पाकिस्तान बनाए रखने की साजिश को नाकाम कर आजाद भारत का अंग बनाने का प्रण लिया। भोपाल रियासत के अब तक के सर्वाधिक प्रबल विलीनीकरण आंदोलन का नेतृत्व भाई रतन कुमार गुप्ता ने किया। भोपाल की आजादी में पं. उद्धव दास मेहता, डॉ शंकर दयाल शर्मा, मास्टर लाल सिंह, नित्य गोपाल शर्मा, सूरजमल जैन, प्रोफेसर अक्षय कुमार, लक्ष्मी नारायण जैमिनी, प्रेम श्रीवास्तव, बालकृष्ण गुप्ता, जमुना प्रसाद मुखरैया, बसंती देवी, शांति देवी, मोहिनी देवी और पुष्पा चारु के अविस्मरणीय योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। आंदोलन का केंद्र रहे भोपाल के जुमेराती स्थित रतन कुटी जो कि नई राह अखबार का कार्यालय भी था को नवाबी कुशासन ने सील कर दिया। उसके बाद यह आंदोलन भूमिगत रूप से नर्मदापुरम से संचालित होता रहा। सीहोर के इछावर और रायसेन भी इसके केंद्र थे। रायसेन जिले के बोरास में एक सभा के दौरान जब वहां तिरंगा फहराया जा रहा था तब पुलिस ने गोली चलाई। जिसमें चार आंदोलनकारी जिसमें सबसे युवा छोटेलाल (उम्र 16 वर्ष), धन सिंह, मंगल सिंह और विशाल सिंह बलिदान हो गए। जब बोरास के नृशंस गोलीकांड की खबर सरदार वल्लभभाई पटेल को लगी तो उन्होंने नवाब हमीदुल्ला को चेताया। उन्होंने 24 जनवरी 1949 को अपने सचिव वीपी मेनन को भोपाल भेजा था। यह घटना कोई साधारण घटना नहीं थी। आखिरकार बलिदानियों के पराक्रम और सरदार वल्लभ भाई पटेल की शक्ति के आगे नवाब हमीदुल्लाह खान को झुकना पड़ा और बाद में 1 जून 1949 को भोपाल को आजादी मिली। भोपाल का महापौर रहते हुए मैंने यह बात अपने सभी पार्षदों के बीच रखी कि हमें भोपाल की आजादी का दिवस 'भोपाल गौरव दिवस' के

रूप में मनाना चाहिए। नगर परिषद ने भोपाल विलीनीकरण दिवस को भोपाल का गौरव दिवस के रूप में मनाने का संकल्प पारित किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसकी शुरुआत की और तब वर्ष 2017 से लगातार प्रतिवर्ष भोपाल गेट पर भोपाल गौरव दिवस मनाया जा रहा है। दरअसल भोपाल विलीनीकरण आंदोलन स्वतंत्रता के बाद का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। आज समाज और देश पीढ़ी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। आने वाली पीढ़ी को यह पता होना चाहिए कि किस प्रकार भोपाल रियासत के नागरिकों ने नवाबी शासन से आजादी के लिए संघर्ष किया। भोपाल विलीनीकरण आंदोलन में भोपाल रियासत के नागरिकों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता। यह भारतीय लोकतंत्र की भावना और नागरिकों की एकता का प्रतीक है। आज भोपाल की 77वीं वर्षगांठ पर सभी भोपालवासियों को मेरी ओर से अनंत शुभकामनाएं, बधाई।

(लेखक भोपाल लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं)

ये सहज चुनाव नहीं

नगर निगमों के दर्पण में सत्ता बनाम विपक्ष के बीच चुनाव ने अपना रेखांकन कर दिया और इस तरह भाजपा ने शहरी मतदाता के सामने अपनी सफल यात्रा का वर्णन किया है। धर्मशाला, मंडी व सोलन में भाजपा और पालमपुर में कांग्रेस ने अपना जलवा दिखाया, तो इस अंकगणित में कई बड़े नेताओं की असफलताओं का ठीकरा फूटा है। पालमपुर में भाजपा की तमाम शर्तें, वादे और तैयारियां धराशायी हुईं, तो यह मानना पड़ेगा कि बुटेल परिवार के संपर्क और साधना कारगर साबित हुई। बतौर विधायक आशीष बुटेल ने विधानसभा का आधा चुनाव जेब में डाल लिया है। एक बार फिर भाजपा के अनार ने कई नेताओं को बिमारू घोषित कर दिया। पालमपुर की कसमों-वादों पर भाजपा के तमाम बड़े नेता औंधे मुंह गिरे हैं।

कभी राष्ट्रीय फलक के सितारे रहे शांता कुमार सरीखे नेता भी अब पालमपुर परिक्रमा से बेदखल हो रहे हैं, तो राजनीतिक खजाने में विपिन सिंह परमार, त्रिलोक कपूर, इंदु गोस्वामी तथा अपनी-अपनी मुद्राओं के माहिर कई नेताओं को आत्मचिंतन कर लेना चाहिए। कांगड़ा के दूसरे नगर निगम धर्मशाला की सौगात कांग्रेस को नहीं मिली, तो यहां के संदेश सत्तारूढ़ दल को पढ़ लेने चाहिए। सत्ता की लावारिस गलियों तथा आवारा हालात तक पहुंचे धर्मशाला शहर की ये सिसकियां हैं या श्राप हैं, जो कांग्रेस को मिले। जाहिर है जो शहर प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी, स्मार्ट सिटी, खेल नगरी, पर्यटन राजधानी, इवेंट सिटी और शिक्षा का हब बना मुस्करा रहा था, उसके छिलके उतर गए, तो यह सहज चुनाव नहीं था। बेशक स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा का कांग्रेस से उतर कर भाजपा का दामन थामना, सत्ता पक्ष की धमनियों को रंजिश से भर गया, लेकिन इसके प्रकोप में शहर का गुम हो जाना सही नहीं था। यहां सबसे बड़ी टीस केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर की रही, तो कई परियोजनाओं की लेटलतीफी के बहाने चुभते रहे। जाहिर है यहां कांग्रेस की सही नेतृत्व की खोज पूरी नहीं हुई, तो भाजपा के पाले में सुधीर शर्मा ने बता दिया कि उसके प्रशंसक राजनीति से परे भी हैं। नेताओं का दर्पण मंडी में देखा गया, तो मेरी मंडी-मेरी हस्ती के तिलक पर पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के घोड़े ऐसे दौड़े कि वह चक्रवर्ती साबित हुए।

रोहिणी नौतपा और बढ़ते तापमान का प्रभाव

रोहिणी नौतपा भारतीय पारंपरिक ज्योतिष और लोक मान्यताओं में ग्रीष्म ऋतु के सबसे अधिक गर्म दिनों को कहा जाता है। यह वह समय माना जाता है जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है और लगभग 9 दिनों तक अत्यधिक गर्मी पड़ती है। इसी कारण इसे नौतपा कहा जाता है — अर्थात नौ दिनों की तीव्र तपन।

सूर्य देव हर साल 25 मई को रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं। इस के साथ ही ज्येष्ठ महीने के सबसे गर्म 9 दिनों, नौतपा की शुरुआत होती है।

भारतीय परंपरा में महत्व एवं लोक मान्यता के अनुसार नौतपा के दौरान अच्छी गर्मी पड़ना मानसून के लिए शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि यदि इन दिनों पर्याप्त गर्मी हो, तो वर्षा अच्छी होती है, किसान इसे खेती और वर्षा चक्र से जोड़कर देखते हैं। यह वैज्ञानिक नियम नहीं है, लेकिन लंबे अनुभवों के मौसम ज्ञान पर आधारित है।

ज्योतिष और लोक-परंपराओं के अनुसार, नौतपा का न तपना भारी नुकसान का संकेत माना जाता है। यदि इन 9 दिनों में गर्मी नहीं पड़ती या बारिश हो जाती है, तो मानसून चक्र प्रभावित होता है, कीट-पतंगों की संख्या बढ़ जाती है और फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका रहती है। इन नौ दिनों में यदि बारिश हो जाय, तो कहते हे नौतपा गल गया।

नौतपा में धरती पर तेज गर्मी अपने चरम पर होती है। आमतौर पर यह अवधि मई के अंत से जून की शुरुआत तक (25 मई से 2 जून) मानी जाती है। इस दौरान तापमान तेजी से बढ़ता है, लू चलती है और दिन बेहद तपने वाले होते हैं।

नौतपा के दौरान सूर्य रोहिणी नक्षत्र में स्थित होता है, सूर्य का उत्तरी गोलार्ध की ओर अधिक झुकाव होता है। इस अवधि में सूर्य की किरणें अधिक सीधी पड़ती हैं, भूमि अत्यधिक गर्म हो जाती है, लू चलती है, तापमान वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुँच सकता है।

इस समय पृथ्वी अपनी धुरी पर ऐसे झुकी होती है कि सूर्य की किरणें उत्तरी गोलार्ध (विशेष रूप से भारत जैसे देशों में) पर बिल्कुल सीधी और लंबवत पड़ती हैं, जिससे इन 9 दिनों में पृथ्वी पर गर्मी अपने चरम पर होती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इस अवधि (मई के अंत से जून की शुरुआत) के दौरान सूर्य पृथ्वी के सबसे करीब या भूमध्य रेखा के सबसे करीब होता है।

पृथ्वी का अपनी कक्षा में लगभग (23.5ट्ट) झुकाव होने के कारण, सूर्य की किरणें उत्तरी गोलार्ध में बहुत कम दूरी तय करके सीधे सतह पर पहुंचती हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से पृथ्वी और सूर्य की स्थिति, वायुमंडलीय परिस्थितियों तथा गर्म हवाओं के कारण यह समय अत्यधिक गर्म होता है।

नवतपा के दौरान सावधानियाँ = दोपहर में धूप से बचें, पर्याप्त पानी पिएँ, हल्के सूती कपड़े पहनें, नींबू पानी आदि लें, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी के बढ़ते तापमान आज पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। इसके पीछे अनेक वैज्ञानिक कारण कार्य कर रहे हैं। सरल शब्दों में समझें तो पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे मौसम के स्वरूप, वर्षा चक्र, समुद्र स्तर और प्राकृतिक संतुलन पर प्रभाव पड़ रहा है।

गर्मी में बढ़ते तापमान और भीषण लू (हीटवेव) के पीछे मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन, ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन, और शहरों में पेड़ों की कटाई के कारण बढ़ता अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव है?बढ़ते तापमान और इसके लगातार विकराल रूप लेने के प्रमुख कारण जलवायु परिवर्तन , जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग और वनों की कटाई के कारण कार्बन डाइऑक्साइड (ष्टह्रद्व2) और मीथेन जैसी ग्रीनहाउस गैसें वायुमंडल में जमा हो रही हैं। ये गैसें सूर्य की गर्मी को सोख लेती हैं और उसे अंतरिक्ष में जाने से रोकती हैं, जिससे पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ रहा है?शहरी ऊष्मा द्वीप शहरों में कंक्रीट, डामर (कोलतार) वाली सड़कें और बहुमंजिला इमारतें दिन भर गर्मी को सोख लेती हैं और रात के समय उसे छोड़ती हैं। इसके अलावा, पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से प्राकृतिक हरियाली खत्म हो गई है।

वनों की कटाई पेड़ों के कटने से छाया और प्राकृतिक वाष्पीकरण की प्रक्रिया कम हो जाती है, जिससे आसपास के वातावरण में नमी घट जाती है और तापमान में उछाल आता है।मार्च-अप्रैल और मई के महीनों में धूल भरी आंधी और हल्की बारिश से तापमान में गिरावट आती है।

इनमें कमी आने और वायुमंडल में उच्च दबाव का क्षेत्र बनने से गर्म हवाएं नीचे की तरफ धकेली जाती हैं, जिससे भीषण लू की स्थिति बनती है। प्रशांत महासागर में पानी के गर्म होने से भी मौसम का चक्र प्रभावित होता है, जो भारत और अन्य क्षेत्रों में हवाओं के पैटर्न और मानसून को बदल देता है, जिससे गर्मी का प्रकोप बढ़ जाता है।

गर्मियों में बढ़ते तापमान के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव, जैसे हीटस्ट्रोक से बचने के लिए हमेशा पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।बाहर निकलते समय सिर और चेहरे को सूती कपड़े से ढक कर रखें।

ग्रीनहाउस प्रभाव ,पृथ्वी के वायुमंडल में कुछ गैसें ऐसी होती हैं जो सूर्य से आने वाली ऊष्मा को रोककर पृथ्वी को गर्म बनाए रखती हैं। इन्हें ग्रीनहाउस गैसें कहते हैं। मुख्य ग्रीनहाउस गैसें कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ-2), मीथेन नाइट्रस ऑक्साइड जलवाष्प, क्लोरोफ्लोरोकार्बन। इन गैसों की सामान्य मात्रा पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक है, लेकिन जब इनकी मात्रा अत्यधिक बढ़ जाती है, तब अधिक ऊष्मा वायुमंडल में फँस जाती है और पृथ्वी का तापमान बढ़ने लगता है।

जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, औद्योगिक क्रांति के बाद से मानव द्वारा कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस का अत्यधिक उपयोग किया जाने लगा।इनके जलने पर बड़ी मात्रा में सीओ-2 उत्पन्न होती है।वाहन, बिजली उत्पादन संयंत्र, उद्योग, एयर कंडीशनर और मशीनें आदि इसके मुख्य कारण है।

रासायनिक अभिक्रिया इससे वायुमंडल में सीओ-2 की मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। वनों की कटाई , पेड़-पौधे प्रकाश संश्लेषण द्वारा सीओ-2 को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं।जब बड़े पैमाने पर जंगल काटे जाते हैं, सीओ-2 अवशोषण कम हो जाता है, वायुमंडल में कार्बन बढ़ता है, तापमान वृद्धि तेज होती है

औद्योगीकरण और प्रदूषण, कारखानों से निकलने वाला धुआँ, रसायन और गैसें वायुमंडल को प्रदूषित करती हैं। थर्मल पावर प्लांट, सीमेंट उद्योग, स्टील उद्योग, रासायनिक उद्योग, इनसे ग्रीनहाउस गैसों के साथ-साथ सूक्ष्म कण भी निकलते हैं, जो पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित करते हैं।

वाहनों की बढ़ती संख्या, डीजल और पेट्रोल से चलने वाले वाहन, सीओ-2, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी गैसें छोड़ते हैं। आज महानगरों में तापमान वृद्धि का एक बड़ा कारण कंक्रीट, डामर सड़कें, कम हरियाली, गर्मी को अधिक अवशोषित करती हैं। मीथेन गैस का बढ़ना, मीथेन सीओ-2 से कई गुना अधिक प्रभावशाली ग्रीनहाउस गैस है।

ओजोन परत में क्षति, ओजोन परत सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से पृथ्वी की रक्षा करती है। सीएफसी गैसों के कारण ओजोन परत कमजोर होती है। ताप संतुलन प्रभावित होता है, यूवी विकिरण बढ़ता है। पर्यावरणीय असंतुलन उत्पन्न होता है।

समुद्र और बर्फ पर प्रभाव, बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, ध्रुवीय बर्फ घट रही है, समुद्र स्तर बढ़ रहा है, बर्फ के पिघलने से पृथ्वी की परावर्तन क्षमता कम हो जाती है। जब बर्फ कम होती है, तो पृथ्वी अधिक ऊष्मा अवशोषित करती है।

जनसंख्या वृद्धि और ऊर्जा की मांग, जनसंख्या बढ़ने से ऊर्जा खपत बढ़ती है, वाहन बढ़ते हैं, उद्योग बढ़ते हैं, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन बढ़ता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि होती है।

समाधान एवं रोकथाम, दुनिया के कई देश जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं। व्यक्तिगत स्तर पर पेड़ लगाना, ऊर्जा बचाना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, प्लास्टिक कम करना इत्यादि शामिल हे

जलवायु परिवर्तन मुख्यत: मानव गतिविधियों के कारण उत्पन्न समस्या है। जीवाश्म ईंधनों का उपयोग, वनों की कटाई, औद्योगिक प्रदूषण और बढ़ती ऊर्जा खपत ने पृथ्वी के तापमान को तेजी से बढ़ाया है। यदि समय रहते वैज्ञानिक उपाय और पर्यावरण संरक्षण के प्रयास नहीं किए गए, तो भविष्य में इसका प्रभाव और अधिक गंभीर हो सकता है।

लेखिका- डॉ. सुमन शर्मा

आप कितना दूध पीते हो: शास्त्री के सवाल पर वैभव सूर्यवंशी का जवाब वायरल, अवॉर्ड सेरेमनी में बटोरी सुर्खियां

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से धमाल मचाने वाले राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी फाइनल के बाद आयोजित अवॉर्ड सेरेमनी में भी आकर्षण का केंद्र रहे। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने उन्हें पूरे सीजन का सबसे बड़ा स्टार बना दिया। वैभव ने इस सीजन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, ऑरेंज कैप, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन और सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन सहित पांच बड़े व्यक्तिगत पुरस्कार अपने नाम किए। इन उपलब्धियों के साथ उन्होंने एक बार फिर साबित किया कि भारतीय क्रिकेट को एक असाधारण प्रतिभा मिल चुकी है।

रवि शास्त्री के सवाल पर वायरल हुआ जवाब

पुरस्कार लेने के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर रवि शास्त्री ने वैभव को बातचीत के लिए मंच पर बुलाया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित शास्त्री ने मजाकिया अंदाज में पूछा कि इतनी कम उम्र में इतनी ताकत आखिर आती कहां से है।
रवि शास्त्री ने पूछा, आप रोज कितना दूध पीते हो ?
इस सवाल पर वैभव मुस्कुरा दिए और उन्होंने जवाब दिया, मैं अब दूध नहीं पीता।

वैभव का यह जवाब सुनकर मंच पर मौजूद लोग भी हंस पड़े। सोशल मीडिया पर भी यह बातचीत तेजी से वायरल हो गई और क्रिकेट प्रशंसकों ने इसे खूब पसंद किया।

ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल इतिहास में नया कीर्तिमान भी स्थापित किया। वह ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने महज 15 साल और 65 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन के नाम था, जिन्होंने 23 साल और 231 दिन की उम्र में ऑरेंज कैप जीती थी। वैभव ने इस सीजन 16 पारियों में 776 रन बनाए और कोई भी बल्लेबाज उनके आंकड़े के करीब नहीं पहुंच सका।

छक्कों के मामले में भी बनाया नया रिकॉर्ड

वैभव की पहचान इस सीजन सिर्फ रन बनाने तक सीमित नहीं रही। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 72 छक्के जड़े और आईपीएल इतिहास का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। इससे पहले एक सीजन में सबसे ज्यादा 59 छक्के लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था। वैभव ने उस रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ते हुए पावर हिटिंग का नया मानक स्थापित कर दिया।

भारतीय क्रिकेट का नया सुपरस्टार

15 साल की उम्र में ऑरेंज कैप, मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर और कई अन्य पुरस्कार जीतना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। वैभव सूर्यवंशी ने न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़े, बल्कि अपने निडर अंदाज और विस्फोटक बल्लेबाजी से करोड़ों क्रिकेट प्रशंसकों का दिल भी जीता। जिस तरह उन्होंने अपने पहले ही सीजन में दबदबा बनाया है, उसे देखते हुए क्रिकेट जगत उन्हें भविष्य का बड़ा सितारा मान रहा है।

वैभव को नेचुरल गेम खेलने दें, तेंदुलकर बोले, सूर्यवंशी बेहद खास, टेस्ट के लिए न करें जल्दबाजी

मुंबई। पूर्व दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने युवा बैटर वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की है। उन्होंने कहा, वैभव वाकई बेहद खास खिलाड़ी हैं। उनमें मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की अद्भुत कला है। तेंदुलकर ने सलाह दी कि कोई भी उनके नेचुरल गेम के साथ छेड़छाड़ न करें। मुंबई में क्रिकइन्फो ऑनर्स इवेंट में तेंदुलकर को 21वीं सदी का सर्वश्रेष्ठ इंटरनेशनल मेंस बैटर चुना गया। तेंदुलकर ने कहा, आज सभी वैभव की बात कर रहे हैं। मैंने भी उन्हें बैटिंग करते हुए देखा है। उनमें कुछ बहुत खास बात है। सिर्फ गेंद को हिट करने की ताकत ही नहीं, बल्कि उनकी कलाई का काम भी कमाल का है, जिसने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया। सचिन ने कहा, मैदान के हर कोने में शॉट खेलने के लिए आपकी कलाई मजबूत होनी चाहिए।वह सिर्फ हवा में बल्ला नहीं घुमा रहे। वे बाकी खिलाडियों की तुलना में गेंद की लाइन और लेंथ को जल्दी भांप लेते हैं और आसानी से बाउंड्री पार करा देते हैं। तेंदुलकर ने कहा कि वह भी वैभव को टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं, लेकिन इसमें जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। वह जैसे हैं, वैसे ही रहें। टेस्ट में अनुभव के साथ वे चुनौतियों से निपटना सीख जाएंगे। वैभव एक ऐसे खिलाड़ी दिखते हैं, जो बहुत कॉन्फिडेंट हैं और उन्हें पता है कि क्या करना है। मैं उनके नेचुरल इंस्टिंक्ट के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं चाहूंगा।

शिवपुरी क्रिकेट अकादमी का सेवन ए साइड क्रिकेट प्रतियोगिता

शिवपुरी। तात्या टोपे स्टेडियम में संचालित शिवपुरी क्रिकेट अकादमी द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत सेवन ए साइड क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 2 जून से किया जा रहा है इस प्रतियोगिता में शिवपुरी क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों की 19 टीम भाग ले रही हैं यह प्रतियोगिता जूनियर एवं सीनियर वर्ग में आयोजित हो रही है इस प्रतियोगिता में बालिकाओं की भी एक टीम भाग ले रही है इस8 प्रतियोगिता में आयोजित होने वाले मैच 66 ओवर के खेले जाएंगे प्रत्येक ओवर आठ बॉल का होगा शिवपुरी क्रिकेट अकादमी के अध्यक्ष गिरीश मिश्रा मां एवं हेड कोच कमल सिंह बाथम शेर ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड-न्यूजीलैंड के अलावा भारत में भी कई बड़े शहरों में इस तरह की प्रतियोगिता आयोजन किया जाता है अधिक से अधिक बच्चे क्रिकेट के मैचों का अनुभव ले सकें इस उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है

सिंगापुर में खेले जा रहे एशियन गेम्स के लिए क्वॉलिफायर मैच

नेपाल ने टी-20 इंटरनेशनल मैच में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड ठोंके 313 रन, 221 रन के विशाल अंतर से हराया चीन

सिंगापुर। नेपाल की क्रिकेट टीम आए दिन नए-नए कीर्तिमान स्थापित करती जा रही है। नेपाल में क्रिकेट को लेकर खासा क्रेज है और इसका परिणाम भी देखने को मिल रहा है, क्योंकि नेपाल की टीम ने एक बार फिर से टी-20 मैच में 300 से ज्यादा रन ठोक डाले। इस तरह एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड इंटरनेशनल क्रिकेट में नेपाल की टीम ने बना दिया। टी-20 क्रिकेट में किसी अन्य टीम ने एक से ज्यादा बार 300 रन एक पारी में नहीं बनाए हैं, लेकिन नेपाल की टीम ने ऐसा दूसरी बार कर दिखाया है। इंटरनेशनल क्रिकेट में सिर्फ पांच बार ही ऐसा हुआ है, जब किसी टीम ने टी-20 क्रिकेट में 300 से ज्यादा रन एक पारी में बनाए हैं। इनमें से दो बार नाम तो नेपाल की टीम का ही है।

सच बाजार

ट्रांसपोर्ट कारोबारियों ने सरकार से मांगी राहत

लोग बोले- कच्चा तेल सस्ता, लाभ आम उपभोक्ताओं और परिवहन क्षेत्र को दिया जाए

ब्रेंट क्रूड ऑयल करीब 104 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंचा

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

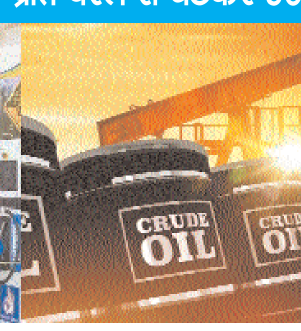

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम 104 डालर प्रति बैरल से लुढ़ककर 90 से 93 डालर के दायरे में आ गए हैं। ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम में आई इस गिरावट के बाद ट्रांसपोर्ट उद्योग और व्यापारिक संगठनों ने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि वैश्विक स्तर पर क्रूड ऑयल सस्ता होने का सीधा लाभ आम उपभोक्ताओं और परिवहन क्षेत्र को मिलना चाहिए।

आल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र कपूर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल का भाव करीब 104 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम अवधि बढ़ने तथा समुद्री आपूर्ति मार्गों में स्थिरता की संभावनाओं के चलते वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव कम हुआ है। इसके बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई कमी नहीं की गई है। पेट्रोल और डीजल ऊंचे स्तर पर बिक रहा है, जबकि कई राज्यों में उपभोक्ताओं को इससे भी अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

ट्रांसपोर्ट कारोबारियों का कहना है कि डीजल की ऊंची कीमतों ने पहले से दबाव झेल रहे परिवहन क्षेत्र की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। ईंधन लागत के अलावा एनवायरमेंट कम्पनसेशन चार्ज , लगातार बढ़ते टोल टैक्स, भारी जुर्माने और विभिन्न परिचालन प्रतिबंधों ने व्यावसायिक वाहनों के संचालन को महंगा बना दिया है। उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों का कहना है कि माल ढुलाई लागत बढ़ने का असर सीधे वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है, जिससे महंगाई को बढ़ावा मिलता है। ऐसे में यदि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी की जाती है तो इसका लाभ केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे आर्थिक तंत्र को मिलेगा।

व्यापारिक संगठनों ने केंद्र सरकार से मांग की है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट का लाभ देशवासियों तक पहुंचाने के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों की समीक्षा कर तत्काल राहत दी जाए। उनका मानना है कि इससे ट्रांसपोर्ट उद्योग को संबल मिलेगा, माल ढुलाई लागत कम होगी और महंगाई पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। उद्योग जगत का कहना है कि जब वैश्विक बाजार में कच्चा तेल सस्ता हुआ है तो उसका फायदा आम जनता तक पहुंचना चाहिए, ताकि आर्थिक गतिविधियों को गति मिले और उपभोक्ताओं को बढ़ती लागत से राहत मिल सके। ट्रांसपोर्ट उद्योग और व्यापारिक संगठनों ने केंद्र सरकार से मांग की है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट का लाभ तत्काल उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाए। पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में शीघ्र कमी की जाए। परिवहन क्षेत्र को राहत देकर महंगाई नियंत्रण और आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिए सकारात्मक कदम उठाए जाएं।

एशियन पेंट्स ने पेश की एंटी-डैम्प टेक्नोलॉजी

भोपाल। एशियन पेंट्स ने मकान मालिकों की एक बड़ी समस्या का समाधान पेश करते हुए अपने लोकप्रिय ऐस और ट्रैक्टर इमल्शन में नई एंटी-डैम्प टेक्नोलॉजी लांच की है। कंपनी का दावा है कि यह तकनीक दीवारों पर बनने वाले पानी के निशानों और नमी से होने वाले नुकसान से बेहतर सुरक्षा प्रदान करेगी, जिससे घर लंबे समय तक सुंदर और आकर्षक बने रहेंगे। एशियन पेंट्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एमडी एवं सीईओ) अमित सिंगल ने कहा कि देशभर में उपभोक्ताओं की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं।

अब ग्राहक केवल कम कीमत नहीं, बल्कि बेहतर प्रदर्शन और आकर्षक फिनिश भी चाहते हैं। उन्होंने कहाकि ट्रैक्टर और ऐस इमल्शन में एंटी-डैम्प टेक्नोलॉजी की शुरुआत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो इकोनॉमी सेगमेंट के ग्राहकों को वॉटरमार्क और नमी से जुड़ी समस्याओं से विश्वसनीय सुरक्षा प्रदान करेगी।

राजस्व संग्रह के प्रति सजग रहने वाली सरकार अब जनता को राहत देने संवेदनशीलता दिखाए: अजय सिंह

ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल पंप एसो.ने जताई राहत की मांग, अतिरिक्त कर वापस करने की अपील

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

मध्यप्रदेश पेट्रोल पंप ऑनर्स एसोसिएशन ने राज्य में ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार से आम जनता को राहत देने की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि तेल विपणन कंपनियों और विभिन्न करों के कारण प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 8 रुपए प्रति लीटर तक की वृद्धि हो चुकी है, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ा है।

अजय सिंह के अनुसार, मौजूदा स्थिति में सरकार को तीन स्तरों पर कर वसूली के जरिए राजस्व प्राप्त हो रहा है, जिसके चलते पेट्रोल पर लगभग 3 रुपए और डीजल पर करीब 2.70 रुपए प्रति लीटर अतिरिक्त कर के रूप में प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह अतिरिक्त कर का लाभ मोहन सरकार वापस को दे तो आम जनता को तत्काल राहत मिल सकती है। एसोसिएशन ने कहा कि जिस तरह सरकार राजस्व संग्रह के प्रति संवेदनशील रहती है, उसी तरह अब जनता को बढ़ती ईंधन कीमतों से राहत देने के लिए भी समान संवेदनशीलता दिखाने की आवश्यकता है। संगठन का मानना है कि ईंधन दरों में मामूली कमी भी महंगाई पर बड़ा सकारात्मक असर डाल सकती है।

जनता को राहत की अपील पेट्रोल पंप ऑनर्स एसोसिएशन ने सुझाव दिया है कि राज्य सरकार यदि अतिरिक्त कर घटाती है या वापस लेती है तो इसका सीधा लाभ आम उपभोक्ताओं, परिवहन क्षेत्र और व्यापार जगत को मिलेगा। इससे महंगाई के दबाव में भी कमी आने की संभावना है। ईंधन कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बीच पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने सरकार से कर नीति की समीक्षा करते हुए कहाकि भोपाल सहित समूचे प्रदेश में मई 2026 में पेट्रोल-डीजल के दाम लगभग 8.13 रुपए तक बढ़ गए हैं। वर्तमान में भोपाल में पेट्रोल 114.65 प्रति लीटर और डीजल का भाव 99.74 प्रति लीटर के आसपास है। मालूम हो कि मध्यप्रदेश सरकार देश के सबसे ज्यादा टैक्स (वैट) वसूलने वाले राज्यों में शामिल है। सरकार तीन स्तरों में टैक्स लेती है। पेट्रोल पर टैक्स 29 फीसदी वैट + 2.50 प्रति लीटर अतिरिक्त वैट + 1 फीसदी सेस और डीजल पर टैक्स 19 फीसदी वैट + 1.50 रुपए प्रति लीटर अतिरिक्त वैट एवं 1 फीसदी सेस वसूली कर रही है।

हिंदुस्तान जिंक ने दिया 18,846 करोड़ का योगदान

उदयपुर। हिंदुस्तान जिंक ने कंपनी की 9वीं टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में राजकीय कोष में 18,846 करोड़ रुपए का योगदान दिया। यह रिपोर्ट पारदर्शी शासन, जिम्मेदार व्यावसायिक तरीकों और राष्ट्र निर्माण के प्रति हिंदुस्तान जिंक की लगातार प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। यह योगदान, कंपनी के राजस्व का 46 प्रतिशत है, जो भारत के आर्थिक विकास और आत्मनिर्भर भारत मिशन के प्रति कंपनी के योगदान को दर्शाता है। पिछले पांच वर्षो में राजकीय कोष में कंपनी का कुल योगदान अब 91,572 करोड़ रुपए हो गया है।

महिंद्रा मैनुलाइफ ने एमपावर एसआईएफ को लांच किया

मुंबई। महिंद्रा मैनुलाइफ म्यूचुअल फंड ने 'एमपावर एसआईएफ' (स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड) लॉन्च करने की घोषणा की है। इसके साथ ही फंड ने सेबी द्वारा अधिसूचित नए निवेश उत्पाद स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड ('एसआईएफ') श्रेणी में प्रवेश किया है और निवेशकों को विशेष निवेश सॉल्यूशन प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। एसआईएफ श्रेणी में पारंपरिक म्यूचुअल फंडों से आगे रणनीतियां उपलब्ध हैं, जिनमें लॉन्ग-शॉर्ट अप्रोच, डेरिवेटिव-आधारित रणनीतियां और अधिक केंद्रित पोर्टफोलियो निर्माण शामिल हैं। यह उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाना चाहते हैं। कंपनी के एमडी और सीईओ एंथनी हेरेडिया ने कहा कि एमपावर एसआईएफ का लांच हमारे उत्पाद श्रृंखला के विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम है। जैसे-जैसे निवेशक और उनके लक्ष्य और आकांक्षाएं समय के साथ विकसित होती हैं, निवेश सॉल्यूशन की स्पष्ट आवश्यकता होती है जो अधिक लचीलापन प्रदान करते हैं और लगातार परिणाम देने के लिए उपलब्ध सभी साधनों का उपयोग करते हैं।

तनिष्क का सचिन के साथ की गोल्ड एक्सचेंज पहल की शुरुआत

मुंबई। टाटा समूह के एक सदस्य, तनिष्क ने क्रिकेट जगत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के साथ अपनी नवीनतम गोल्ड एक्सचेंज पहल की शुरुआत की है। इसका मुख्य उद्देश्य तनिष्क के पारदर्शी तौर-तरीकों और ग्राहकों को मिलने वाले उस भरोसे को सामने लाना है, जिसने इसे भारत में गोल्ड एक्सचेंज का सबसे पसंदीदा नाम बनाया है। आज, 36 लाख से अधिक ग्राहक तनिष्क के गोल्ड एक्सचेंज से जुड़ चुके हैं, जो इसे देश में सबसे बड़े और सबसे ज्यादा अपनाए जाने वाले एक्सचेंज प्लेटफॉर्म्स में से एक बनाता है। तनिष्क में, गोल्ड एक्सचेंज की पूरी बुनियाद भरोसा, पारदर्शिता और ग्राहकों के विश्वास पर टिकी है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उन्हें हमेशा अपने पुराने सोने का अधिकतम मूल्य मिले।

टाइटन कंपनी लिमिटेड के ज्वेलरी डिवीजन के सीईओ, अरुण नारायण ने कहाकि गोल्ड एक्सचेंज मूल रूप से पूरी तरह भरोसे पर आधारित फैसला है, क्योंकि ग्राहक उन गहनों को हमारे पास लाते हैं जिनका उनके लिए भावनात्मक और वित्तीय दोनों तरह का गहरा महत्व होता है।

वेदांता ने हासिल की डोमेस्टिक क्रेडिट रेटिंग

मुंबई। वेदांता ग्रुप को एक दशक से भी ज्यादा समय में अपनी सबसे अधिक डोमेस्टिक क्रेडिट रेटिंग मिली है। यह रेटिंग मूडी? की सहयोगी कंपनी आईसीआरए द्वारा ग्रुप की मुख्य संस्थाओं की लंबी अवधि की रेटिंग को एए प्लस तक अपग्रेड किए जाने के बाद दी गई है। इससे ग्रुप के मजबूत संचालन परफोर्मेन्स तथा डीमर्जर के बाद सशक्त वित्तीय प्रोफाइल और संरचनात्मक क्षमता में भरोसा और अधिक ब? गया है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने , कृषि और सहकारिता पर हुई अहम चर्चा

एग्रो इनपुट डीलर्स प्रतिनिधिमंडल की गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

ऑल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मनमोहन कलंत्री के नेतृत्व में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान कृषि, सहकारिता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल में महासचिव प्रवीण भाई पटेल, सुभाष शाह, अरविंद पटेल और रमेश पटेल सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। बैठक के दौरान संगठन के सदस्यों ने मंत्री का शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की हालिया उपलब्धि पर भी उन्हें बधाई दी गई। बैठक में मुख्य रूप से किसानों के कल्याण, समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि इनपुट की उपलब्धता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में एग्रो इनपुट डीलर्स की भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने सहकारिता क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने तथा किसानों तक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के सुझाव भी साझा किए।

संगठन के अनुसार कृषि इनपुट सेक्टर में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि डीलर नेटवर्क को और अधिक मजबूत किया जाए तो किसानों तक उन्नत बीज, खाद और कृषि तकनीक समय पर पहुंचाई जा सकती है, जिससे कृषि उत्पादकता में वृद्धि संभव है।

किसान हित और सहकारिता को मिलेगी नई दिशा

प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि सहकारिता मंत्रालय की पहल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी और किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को गति मिलेगी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनमोहन कलंत्री ने कहा कि मंत्री का मार्गदर्शन हमेशा प्रेरणादायक रहा है और उनके नेतृत्व में कृषि एवं सहकारिता क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद है। राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय रघुवंशी ने बताया कि बैठक अत्यंत सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि मंत्री ने संगठन के सुझावों को गंभीरता से सुना और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयासों को प्रोत्साहित किया।

सेवा भारती साकेत मंडल की दो दिवसीय निवेदिता बालिका कार्यशाला आयोजित

बालिकाओं में आत्मविश्वास, कौशल और संस्कारों का समन्वय है निवेदिता कार्यशाला का उद्देश्य : शिवमंगल सिंह

सच संवाददाता || भोपाल।

सेवा भारती साकेत मंडल के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय निवेदिता बालिका कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सेवा भारती महानगर अध्यक्ष शिव मंगल सिंह ने कहा कि बालिकाएं परिवार, समाज और राष्ट्र की आधारशिला हैं। उन्हें संस्कार, शिक्षा एवं कौशल से सशक्त बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता का विकास करती हैं कार्यशाला में 80 बालिकाओं को विभिन्न व्यावहारिक एवं कौशल विकास संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किए गए।

चित्रा सिंह ने सौंदर्य सुरक्षा, त्वचा की देखभाल एवं पार्लर कार्य की बारीकियों की जानकारी दी। वहीं सोनम सिंह ने क्रोशिया कला के माध्यम से वंदनवार, पोंछा आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया। वैदिक गणित के सत्र में कुमार वर्धन ने सरल एवं रोचक विधियों से वैदिक गणित के सूत्रों की जानकारी दी। बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सूत्रों को समझा एवं उनका अभ्यास किया। सेवा भारती के मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने कहा कि निवेदिता बालिका कार्यशाला का उद्देश्य बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास, कौशल संवर्धन एवं संस्कार निर्माण के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर एवं सक्षम बनाना है।

कार्यशाला में किशोरी आयाम प्रांत प्रमुख श्रीमती आभा पांडे, निवेदिता आयाम प्रमुख श्रीमती अंजना श्रीवास्तव, शिक्षा प्रमुख श्रीमती कमलेश सिंह, कोषाध्यक्ष रमेश गोतेले, मंडल अध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा, सचिव शरद सक्सेना, श्रीमती गीतांजली शुक्ला, रूपाली सक्सेना, सुनील कौशिक, निवेदिता आयाम प्रमुख श्रीमती अंकिता और श्रीमती रेखा मालवीय सहित समस्त निरीक्षिकाएँ एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यशाला ने बालिकाओं में न केवल कौशल और शिक्षा की समझ विकसित की, बल्कि उन्हें आत्मविश्वासी और सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण संदेश भी दिया।

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में एडल्ट वैक्सीनेशन विषय पर विशेष सत्र आयोजित

जयपुर। राजस्थान ने टीकाकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए पिछले तीन दशकों में बड़ी प्रगति दर्ज की है। राज्य में जहां वर्ष 1992-93 में पूर्ण टीकाकरण का दायरा केवल 21.1 प्रतिशत था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 91.8 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसी सफलता और वर्ष 2009 से पोलियो-मुक्त स्थिति बनाए रखने के बीच अब स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने वयस्क टीकाकरण (एडल्ट वैक्सीनेशन) को सार्वजनिक स्वास्थ्य की अगली बड़ी प्राथमिकता बताया है।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस 2026 के अवसर पर जारी आंकड़ों के अनुसार देशभर में भी टीकाकरण कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारत में पूर्ण टीकाकरण का स्तर वर्ष 2015 के 62 प्रतिशत से बढ़कर जनवरी 2026 तक 98.4 प्रतिशत तक पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि रोगों की रोकथाम पर केंद्रित स्वास्थ्य नीतियों और जागरूकता अभियानों की सफलता का परिणाम है। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी ने एडल्ट वैक्सीनेशन विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम में जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज के प्रो-चांसलर एवं वरिष्ठ चिकित्सक तथा राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (आरयूएचएस) के पूर्व कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए।

गीतों की ठंडी फुहारों ने कम की नौतपा की तपन

राजधानी के गायक गायिकाओं ने बांधा समां

भोपाल । राजधानी की संगीत संस्था सुरमाला संगीत ग्रुप ने एमपी नगर के एक होटल में गीतों की संध्या सजाई। शाम को शुरू हुआ सिलसिला देर रात चला। सरस्वती मां की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण और आराधना से कार्यक्रम शुरू हुआ। इस अवसर पर संगीत समूह की संस्थापक सदस्य और संरक्षक किरण श्रीवास्तव दीदी के निधन पर 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। किरण दीदी ने कोरोना के दौर में संगीत समूहों को नई जान दी थी। वे संगीत समूहों का मार्गदर्शन करती थीं। उन्होंने सैकड़ो शोकिया गायक गायिकाओ को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत पर आधारित बेहतरीन नगमे प्रस्तुत किए गए। इसके साथ ही हलके फूलके संगीत और मनोरंजन से भरे गीतों की प्रस्तुति भी हुई।

कार्यक्रम में सुमधुर गीतों की शुरुआत बहियाँ न भरो..से नीलिमा ने की।
प्रख्यात गायक स्वर्गीय भूपेंद्र हजारिका के गीत दिल हूम हूम करे की शानदार प्रस्तुति
स्मिता सेन ने दी। ये पर्वतों के दायरे,ये शाम का धुंआ...गीत को अपने अंदाज में
धर्मेश और सुमन ने सुनाकर समा बांध दिया। सुरंगमा सक्सेना ने अभिमान जो संगीत प्रधान कलात्मक फिल्म थी,उसका जया भादुड़ी पर फिल्माया कर्णप्रिय
गीत लूटे कोई मन का नगर बनके मेरा साथी. बहुत मोहक अंदाज में सुनाया। च्चांदनी रात में एक बार तुझे देखा है... राजेश और शैली ने प्रस्तुत किया धक धक करने लगा... माधुरी दीक्षित पर पिक्चराइज इस गीत की ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुति सोनल और सुमित शर्मा ने दी। कार्यक्रम में
मनीष और मोना ने बेस्ट ऑर्गेनाइजर और एंकर का परिचय देते हुए सभी बेस्ट सिंगर को दोबारा अवसर भी दिया।
भीगी भीगी रातों में ऐसी बरसातों में.... गीत को सुनकर नौतपा की तेज तपन कम हो गई और ठंडी ठंडी फुहार का एहसास सिंगर और लिस्नर्स ने किया। शांता थारवानी और रमेश चंदानी की ये प्रभावी प्रस्तुति थी।इसके अलावा शरद सोनी और मनीषा बुधौलिया ने आ जा सनम...मधुर चांदनी में हम... सुनाकर महफिल लूटी।
कार्यक्रम की विशेष पेशकश की बात करें तो ये पर्वतों के दायरे,ये शाम का धुंआ की प्रस्तुति भी कम नहीं थी। धर्मेश और सुमन ने ये युगल गीत सुनाया।
दिल की नजर से...मनीष और मोना ने पेश किया। रहें न रहें हम...महका करेंगे..बनके कली... सुनाकर
मोना सक्सेना द्वारा संगीत ग्रुप्स की मार्गदर्शक स्व किरण श्रीवास्तव को गीतमय आदरांजलि दी गई। शरद कुमार और अजय बुधौलिया की जबरदस्त पेशकश रही।एल्बम सॉन्ग (तेरे बिना) का गीत
चलने लगी हैं हवायें.... शरद कुमार ने सुनाया। अजय के गीत भी पसंद किए गए।

एआई के दौर में औसत नहीं, विशेषज्ञ बनने की सोच विकसित करें: उज्ज्वल पाटनी

कॅरियर नेक्स्ट-कॅरियर डिस्कवरी इंडस्ट्री बूट कैंप में उज्जवल पाटनी ने दिए सफलता के मंत्र

भोपाल। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी (आरएनटीयू) द्वारा आयोजित दो दिवसीय मेगा करियर गाइडेंस कार्यक्रम कैरियरनेक्स्ट - करियर डिस्कवरी इंडस्ट्री बूट कैंप का दूसरा दिन देश के प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर एवं बिजनेस कोच डॉ. उज्ज्वल पाटनी के प्रेरणादायी सत्र के नाम रहा। अपने विशेष संबोधन ड्रीम करियर टू ड्रीम लाइफ में उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और करियर निर्माण के महत्वपूर्ण सूत्र बताए।

इस अवसर पर स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलगुरु डॉ. विजय सिंह, कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा तथा रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के प्रॉ-वाइस चांसलर डॉ. संजीव कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शिक्षाविद उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ. उज्ज्वल पाटनी ने विद्यार्थियों को डेली सेल्फ ऑडिट का सूत्र अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि प्रतिदिन एक ऐसा कार्य लिखें जिस पर आपको गर्व हो और एक ऐसा कार्य भी लिखें जो आपको नहीं करना चाहिए था। यह अभ्यास धीरे-धीरे आत्मअनुशासन विकसित करता है और व्यक्ति को अपनी कमियों को सुधारने में मदद करता है। उन्होंने एक्स्ट्रा माइंडसेट की अवधारणा समझाते हुए कहा कि प्रत्येक युवा को अपने भीतर कुछ ऐसी अतिरिक्त क्षमताएं विकसित करनी चाहिए जो उसे भीड़ से अलग पहचान दिलाएं। यदि आप स्वयं को निरंतर बेहतर बनाते रहेंगे तो आपकी उपयोगिता और विशिष्टता बनी रहेगी। वन परसेंट बेटर सिद्धांत पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में बड़े बदलाव एक साथ नहीं आते, बल्कि छोटे-छोटे सुधारों और निरंतर प्रयासों का परिणाम होते हैं। यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन स्वयं को केवल एक प्रतिशत बेहतर बनाने का प्रयास करे तो कुछ समय बाद उसका व्यक्तित्व और प्रदर्शन पूरी तरह बदल सकता है।

डॉ. पाटनी ने विद्यार्थियों को कॉलेज जीवन के दौरान केवल अकादमिक अध्ययन तक सीमित न रहने की सलाह देते हुए कहा कि उन्हें स्किल्स, नेटवर्किंग, इंडस्ट्री एक्सपोजर और सकारात्मक माइंडसेट विकसित करने पर भी समान रूप से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय केवल सैद्धांतिक शिक्षा का नहीं, बल्कि इंडस्ट्री इंटीग्रेटेड और स्किल-आधारित शिक्षा का है। अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वे स्कूल के दिनों में पढ़ाई में सामान्य छात्र थे, लेकिन निरंतर सीखने और स्वयं को बेहतर बनाने की इच्छा ने उन्हें डॉक्टर, लेखक और सफल बिजनेस कोच बनने की राह दिखाई। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि यदि मैं अपनी सीमाओं को पार कर सकता हूं, तो आप भी अपने सपनों को अवश्य साकार कर सकते हैं।

12वीं के छात्र का दावा : टेंडर से हटाए जवाबदेही वाले नियम, बोर्ड से मांगा जवाब

सच प्रतिनिधि || भोपाल।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के 12वीं कक्षा के छात्र सार्थक सिद्धांत ने बोर्ड की ऑनस्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली के लिए टेंडर की प्रक्रिया पर गंभीर चिंता जाहिर की है। सार्थक ने बोर्ड के कई टेंडर दस्तावेज की तुलना करने के बाद निष्कर्ष ब्लॉग में साझा किए। उसने कहा, जवाबदेही तय करने वाले नियम टेंडर से हटा दिए गए। साथ ही, ऐसी गड़बड़ियों की ओर इशारा किया है, जिनसे लगता है कि खास सेवा प्रदाता को तरजीह दी गई। साथ ही, उम्मीद जताई कि सीबीएसई उसके सवालों का जवाब देगी। सार्थक सिद्धांत ने कहा, इसमें कई गड़बड़ियां थीं। मैंने बस की तुलना की है, मैंने कम से कम 15 गड़बडियां पाई हैं, जिसमें से तीन-चार को खास तौर पर उजागर करना चाहूंगा। सिद्धांत के मुताबिक, सीबीएसई ने ओएसएम के लिए तीन अलग-अलग टेंडर जारी किए थे। पहला टेंडर जीईएम पोर्टल से हटा दिया गया। दूसरे टेंडर के तकनीकी मूल्यांकन में सभी बोली लगाने वाले फेल हो गए और तीसरा टेंडर आखिरकार एडटेक फर्म को दे दिया गया। सिद्धांत के मुताबिक, पहली गड़बड़ी यह है कि पुराने टेंडर में खराब प्रदर्शन से जुड़े तीन नियम थे। इनके अनुसार, अगर सेवा प्रदाता का प्रदर्शन खराब रहता, तो उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाता। लेकिन नए टेंडर प्रस्ताव में इन नियमों को हटा दिया गया। उन्होंने ब्लैकलिस्ट करने, वित्तीय योग्यता की सीमाएं और प्रोजेक्ट के मानदंडों से जुड़े नियमों में बदलावों की ओर भी ध्यान दिलाया। आरोप है कि ये बदलाव, दिग्गज कंपनी टीसीएस के मुकाबले, उस एडटेक फर्म के पक्ष में किए गए थे।

हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई क्राइम ड्रामा सीरीज 'लुटेरी दुल्हन', दो महिलाओं की रोमांचक टक्कर की कहानी

मुंबई। भारत के प्रमुख डिजिटल मनोरंजन प्लेटफॉर्म हंगामा ओटीटी ने अपनी नई ओरिजिनल वेब सीरीज लुटेरी दुल्हन लॉन्च कर दी है। 19 मई 2026 को रिलीज हुई यह सीरीज मध्य प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिलचस्प क्राइम ड्रामा है, जिसमें अपराध, कानून और अस्तित्व की लड़ाई को दो मजबूत महिला किरदारों के जरिए दर्शाया गया है। सीरीज में पूजा ए गोर, संविका और मनमोहन तिवारी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। कहानी एक ऐसे गिरोह के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादी के नाम पर दूल्हों को निशाना बनाकर लूटता है और फिर रहस्यमय तरीके से गायब हो जाता है।

ब्रिजिंग आइडियाज बिल्डिंग फ्यूचर्स थीम पर सम्मेलन आयोजित

एमआईटी और इंडस्ट्री लीडर्स ने पढ़ाई और एआई के लिए तैयार टैलेंट विकसित करने पर जोर दिया

भोपाल। जैसे-जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी दुनिया भर में काम करने के तरीके बदल रही हैं, भविष्य के लिए तैयार टैलेंट तैयार करने और युवाओं को नौकरी के लायक बनाने के लिए एक अहम कदम उठाया गया है। एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (एमआईटी-डब्लूपीयू), पुणे और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट (एनआईपीएम), कर्नाटक चैप्टर द्वारा आयोजित इंडस्ट्री एकेडमिया कॉन्क्लेव 2026 में इंडस्ट्री लीडर्स और शिक्षाविदों ने कॉलेजों और कंपनियों के बीच मजबूत साझेदारी की जरूरत पर जोर दिया।

बेंगलुरु में ब्रिजिंग आइडियाज बिल्डिंग फ्यूचर्स थीम के तहत आयोजित इस सम्मेलन में सीनियर एचआर लीडर्स, प्रोफेसर्स, टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स, मैन्युफैक्चरिंग प्रोफेशनल्स और इंडस्ट्री से जुड़े लोग एक साथ आए। इस दौरान काम के बदलते तरीकों, एआई से होने वाले बदलावों, कर्मचारियों की नई उम्मीदों और लगातार नई स्किल सीखते रहने की जरूरत पर चर्चा हुई।

3,765 अभ्यर्थियों के लिए पुनर्परीक्षा होगी आयोजित, तकनीकी खराबी के बाद एनटीए का फैसला

सच संवाददाता || भोपाल।

एनटीए ने 3,765 उम्मीदवारों के लिए विशेष पुनर्परीक्षा आयोजित करने की घोषणा की है। ये वे अभ्यर्थी हैं जिन्होंने 30 मई को आयोजित सीयूईटी यूजी2026 की पहली शिफ्ट की परीक्षा के दौरान तकनीकी समस्या के कारण परीक्षा केंद्र छोड़ दिया था। एजेंसी का कहना है कि प्रभावित छात्रों को निष्पक्ष अवसर प्रदान करने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

जारी बयान में एनटीए ने बताया कि कुछ परीक्षा केंद्रों पर तकनीकी खराबी के चलते परीक्षा शुरू होने में देरी हुई। इस वजह से कई उम्मीदवारों को असुविधा और तनाव का सामना करना पड़ा। स्थिति को ध्यान में रखते हुए एजेंसी ने प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए पुनर्परीक्षा कराने का फैसला किया है।

'जगद्धात्री' ने पूरे किए 200 एपिसोड्स, सोनाक्षी बत्रा और फरमान हैदर ने दर्शकों का शुक्रिया अदा किया

मुंबई। जी टीवी का फिक्शन शो 'जगद्धात्री' अपनी अलग और दिलचस्प कहानी की वजह से दर्शकों का पसंदीदा शो बन चुका है। अब शो ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। 'जगद्धात्री' ने सफलतापूर्वक 200 एपिसोड्स पूरे कर लिए हैं।

शो की कहानी जगद्धात्री, यानी सोनाक्षी बत्रा के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है। घर में वह सीधी-सादी और भोली नजर आती है, लेकिन घर के बाहर वह निडर और तेज-तर्रार ऑफिसर है। दर्शकों को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाली बात है उसकी दोहरी जिंदगी और किरदार की जटिल परतें। खासकर महिला दर्शक अपने अनुभवों से जगद्धात्री के संघर्ष और हिम्मत को जोड़ पाती हैं। शो के 200 एपिसोड्स पूरे होने पर लीड एक्टर्स ने अपनी खुशी और आभार व्यक्त किया।

सोनाक्षी बत्रा कहती हैं कि 200 एपिसोड्स पूरे होना हमारी पूरी टीम के लिए एक बेहद खूबसूरत उपलब्धि है। असली ताकत हमारे दर्शकों का प्यार और समर्थन है, जो हमें हर दिन बेहतर करने की प्रेरणा देता है। इस किरदार ने मुझे खामोशी में मजबूती और मुश्किल हालात में हिम्मत दिखाना सिखाया है। मैं 200 को 2000 तक जाते हुए देखना चाहती हूं। फरमान हैदर ने कहा 'जगद्धात्री' मेरे करियर की सबसे यादगार यात्राओं में से एक रही है। शिवाय के किरदार में हमेशा सकारात्मक सोच दिखती है और इसने मुझे जज़्बाती तौर पर भी बहुत कुछ सिखाया। 200 एपिसोड्स पूरे करना बेहद शानदार अनुभव रहा। दर्शकों का समर्थन ही हमें हर दिन बेहतर बनने की प्रेरणा देता है। आने वाले एपिसोड्स में दर्शकों को जबरदस्त ड्रामा देखने को मिलेगा, जहां जगद्धात्री और शिवाय नए ड्रग डीलिंग केस की जांच करेंगे। रुद्र यानी आयुष श्रीवास्तव इस गैरकानूनी कारोबार के मास्टरमाइंड हैं। हर दिन नए ट्विस्ट्स और दमदार ड्रामा के लिए 'जगद्धात्री', रोज रात 10 बजे, सिर्फ जी टीवी पर।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच समाचार पर। आवेदन के लिए लिंक करें
www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- **विवरण:** आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- **मानदंड:** आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- **इनाम/लाभ:** रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- **अंतिम तिथि:** पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- **आवेदन कैसे करें:** केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- **आवेदन लिंक:**. www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloud-front.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- **विवरण:** नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।
- **मानदंड:** सम्बंधित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- **इनाम/लाभ:** प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- **अंतिम तिथि:** 20-12-2026
- **आवेदन कैसे करें:** यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य ।
- **आवेदन लिंक:** www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloud-front.net/static/images/scho-media/national-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026

- **विवरण:** नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) या सम्बन्धित क्षेत्रों में पीएचडी प्राप्त कर रहे छात्रों को नोकिया फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह डॉक्टोरल उम्मीदवारों को अपनी शोध कार्य को कुशलता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है।
- **मानदंड:** आवेदन फिनिश विश्वविद्यालय में आईसीटी या सम्बन्धित वैज्ञानिक क्षेत्रों में डॉक्टोरल डिग्री प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए जारी है। आवेदकों के पास आवेदन के समय डॉक्टोरल शोध प्रबंध से सम्बन्धित कम से कम एक स्वीकृत प्रकाशन होना अनिवार्य है, तथा उच्च गुणवत्ता युक्त, तीव्र गति के साथ डॉक्टोरल अध्ययन का अच्छा रिकॉर्ड होना आवश्यक है। उन्हें पूर्व में यह स्कॉलरशिप प्राप्त न हुई हो।
- **इनाम/लाभ:** रु 7,500 तक की स्कॉलरशिप राशि।
- **अंतिम तिथि:** 15-09-2026
- **आवेदन कैसे करें:** केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- **आवेदन लिंक:** /www.b4s.in/sach/NKSP2
- QR Code : https://dle9eg0t05513. cloud-front.net/static/images/scho-media/nokia-foundation-scholarship-20261773726760.png

न्यूटेनिक्स नेक्स्टजेन इन्नोवेटर्स स्कॉलरशिप 2026

- **विवरण:** न्यूटेनिक्स नेक्स्टजेन इन्नोवेटर्स स्कॉलरशिप 2026, निर्दिष्ट विषयों एवं संस्थानों में पूर्वस्नातक छात्रों को न्यूटेनिक्स द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह वैश्विक पहल कंप्यूटर साइंस या सम्बन्धित क्षेत्रों में डिग्री प्राप्त कर रहे तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के स्नातक छात्रों को सहयोग एवं प्रेरणा प्रदान करती है।
- **मानदंड:** आवेदन भारतीय निवासियों के लिए जारी है, जो नवाचार, समावेशन एवं निरंतर सीखने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्हें प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने में एआई की भूमिका के प्रति जिज्ञासा प्रदर्शित करना अनिवार्य है। आवेदक को निर्दिष्ट विषयों में पूर्णकालिक पूर्वस्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत होना एवं तृतीय या चतुर्थ वर्ष में प्रवेश करना आवश्यक है।
- **इनाम/लाभ:** रुपए 2,500 की स्कॉलरशिप राशि।
- **अंतिम तिथि:** 31-05-2026
- **आवेदन कैसे करें:** केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- **आवेदन लिंक:** www.b4s.in/sach/NINS1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloud-front.net/ static/images/scho-media/nutanix-nextgen-innovators-scholarship-20261773726744.png

यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम इंडिया चांसलर्स स्कॉलरशिप्स 2026-27

- **विवरण:** यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम इंडिया चांसलर्स स्कॉलरशिप्स 2026-27, बर्मिंघम विश्वविद्यालय द्वारा भारत अधिवासित (डोमिसाइल्ड) उन छात्रों को प्रदान की जा रही है, जिन्होंने विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु आवेदन किया है।
- **मानदंड:** आवेदन उन सभी भारतीय छात्रों के लिए जारी है, जिन्हें सितंबर 2026 सत्र हेतु बर्मिंघम विश्वविद्यालय के यूके कैंपस में पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए प्रवेश प्रस्ताव प्राप्त हो। आवेदकों को अपने प्रस्ताव में निर्दिष्ट शैक्षणिक शर्तों को पूर्ण करना अनिवार्य है। विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें विदेशी शुल्क भुगतानकर्ता के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए तथा उनमें छात्रवृत्ति द्वारा कवर न होने वाले शेष शुल्क का भुगतान करने की क्षमता होनी आवश्यक है। उन्हें संबंधित समय-सीमा तक जमा राशि और कुल शुल्क का भुगतान करना अनिवार्य है तथा रहने के खर्च और अन्य संबंधित खर्चों हेतु पर्याप्त धनराशि उपलब्ध होनी चाहिए।
- **इनाम/लाभ:** शिक्षण शुल्क हेतु रुपए 10,000 की छात्रवृत्ति।
- **अंतिम तिथि:** 31-05-2026
- **आवेदन कैसे करें:** केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- **आवेदन लिंक:** www.b4s.in/sach/UCBD2

बारिश से मौसम में घुली ठंडक

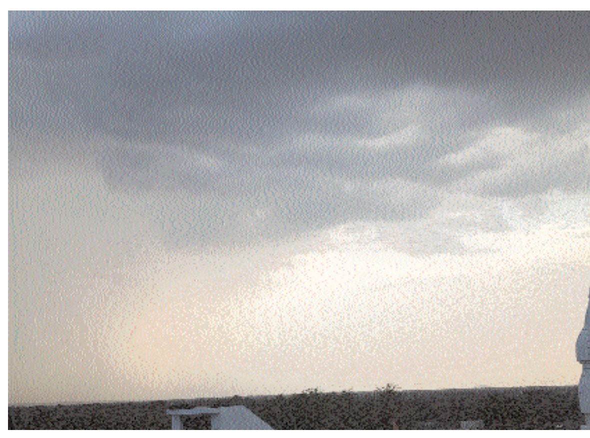

शाजापुर। गर्मी से झुलस रहे नगरवासियों का राहत का इंतजार रविवार शाम को पूरा हुआ। जब तेज हवाओं के साथ आसमान पर छाए बादल बरस पड़े। इसके पूर्व शनिवार रात को नगर में भी 40 किमी की रफ्तार से तेज आंधी चली जिससे दुकानों का सामान हवा में तैरता नजर आया। इस दौरान आसमान पर बादल भी छाए और बिजली भी आसमान में कौंध रही थी। लेकिन बिन बरसे बादल लौट गए और आसमान साफ हो गया।

पिछले डेढ़ माह से नगरवासी भीषण गर्मी झेल रहे थे, जिन्हें इंतजार था तो गर्मी से राहत का। शनिवार दोपहर तक भी नगरवासी गर्मी से जूझते हुए आसमान ताक रहे थे। रात करीब 11 बजे अचानक मौसम बदला और तेज हवाएं चलने लगी। हालांकि इस दौरान बारिश तो नहीं हुई लेकिन मौसम में ठंडक जरूर घुल गई। इसके बाद रात करीब 1 बजे तक भी ठंडी हवाएं लोगों को गर्मी से राहत प्रदान कर रही थी। रविवार सुबह आसमान साफ हो गया और तेज धूप खिली। जिसके चलते दोबारा लोगों का गर्मी से बुरा हाल होने लगा। लेकिन शाम करीब 5.30 बजे तेज आंधी के साथ हुई बारिश ने गर्मी की तपिश से राहत प्रदान की। इस दौरान रूक-रूककर करीब आधे घंटे तक हल्की बारिश होती रही जिससे मौसम में ठंडक घुल गई। मौसम विभाग की माने तो नगर में बारिश का दौर जारी रहेगा। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि धूप खिलने से इस दिन अधिकतम तापमान फिर 41 डिग्री तक पहुंच गया। उन्होंने बताया कि रविवार रात को भी बारिश की संभावना बन रही है। इसके बाद सोमवार सुबह 4 से 7 के बीच भी बारिश हो सकती है और नगर में अब बारिश रूक-रूककर होती रहेगी जिसेस लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

शनिवार रात करीब 11 बजे शुरू हुई तेज आंधी से जो जहां था वहीं रूकने को मजबूर हो गया। हवाओं की गति 40 किमी से भी अधिक थी जिसके चलते कई दुकानों का सामान हवा में उड़कर दूर जा गिरा। गनीमत रही कि रात के समय कम आवाजाही होने से कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन कई जगह बिजली गुल होने से लोगों की नींद जरूर खराब हुई। वहीं जिले के कई क्षेत्रों में तेज आंधी से व बारिश क कारण पेड़ भी गिरे। मौसम विभाग की माने तो 1 जून को भी इसी तरह तेज आंधी के साथ बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार मौसम का मिजाज कुछ दिनों तक ऐसा ही बना रहेगा। साथ ही 16 जून से मानसूनी बारिश शुरू होने की भी संभावना है।

चालक को आई झपकी डिवाईडर में घुसी कार

शाजापुर। जिले के सुनेरा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 पर रविवार सुबह करीब 7 बजे एक सड़क दुर्घटना में पांच लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि कार चालक को नींद की झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। अनियंत्रित कार सड़क के बीच बने डिवाइडर और खंती से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

कार में दो महिलाएं और तीन पुरुष सवार थे। हादसे में चालक जयराम के सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि उर्मिला, संजय, प्रभाव और अंश को हल्की चोटें लगी हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए शाजापुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। पायलट संजीव सूर्यवंशी और विजय के साथ पुलिसकर्मी अशोक और मुकेश दांगी ने राहत कार्य करते हुए सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। उन्हें डायल-112 वाहनों की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का इंजन वाहन से अलग होकर कई फीट दूर जा गिरा। दुर्घटना के प्रभाव से कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

सच संक्षेप

350 किलो गांजा जब्त

शहडोल। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव के निर्देषानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही निरंतर की जा रही है। थाना जयसिंहनगर पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए 350 किलोग्राम गांजा, दो चार पहिया वाहन एवं दो मोबाइल फोन जप्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक अजय कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मचारियो की भूमिका रही।

नशामुक्ति की शपथ ली

बनखेड़ी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को जनपद पंचायत बनखेड़ी के सभा कक्ष में स्वच्छ भारत मिशन के ब्लॉक कॉर्डिनेटर आशीष चौधरी की अध्यक्षता में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को तंबाकू एवं अन्य नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर आशीष चौधरी ने कहा कि तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। इससे कैंसर, फेफड़ों की गंभीर बीमारियां, हृदय रोग सहित कई घातक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने लोगों से तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा अपने आसपास के वातावरण को नशामुक्त बनाने का आह्वान किया ।कार्यक्रम में उपस्थित सामाजिक लोगों ने तंबाकू छोड़कर स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाने का संकल्प लिया तथा जनजागरूकता फैलाने का भी निर्णय लिया। कार्यक्रम में सोनू साहू, देवेंद्र उरहा, सतीश अहिरवार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यशाला आयोजित

बैतूल। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शासकीय एकलव्य आवासीय विद्यालय, शाहपुर में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सहयोग से नवोदित ग्रामोत्थान महिला एवं बाल विकास समिति द्वारा जागरूकता कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों पर विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ता के रूप में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक संतोष राजपूत ने तंबाकू सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों तथा युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर तंबाकू निषेध विषय पर रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने आकर्षक एवं संदेशात्मक रंगोलियों के माध्यम से तंबाकू मुक्त समाज का संदेश दिया।

सामूहिक विवाह कल

आष्टा। कल 2 जून से प्रारंभ होने वाली कथा एवं11 लाख रुद्राक्ष महोत्सव कार्यक्रम प्रशासन के साथ हुई बैठक के पश्चात आयोजकों ने बैठक करके निर्णय लिया कि मौसम को देखते हुए कथा एवं रुद्राक्ष वितरण का कार्यक्रम स्थगित किया जाए। बीते दो दिनों में तेज हवा, आंधी और तूफान तथा प्री मानसून के चलते प्रशासन से न अनुमति नहीं मिल पाई। रविवार की शाम को हुई बैठक में उक्त कथा को स्थगित कर सिर्फ 8 जून को एक सौ एक जोड़ों का विवाह मानस भवन परिसर में करने का निर्णय लिया गया। बता दे कि अनुविभागीय अधिकारी द्वारा आयोजन समिति को पत्र जारी किया था। इसके पश्चात भी अगर आयोजन समिति आयोजन करती है तो उनकी जवाबदारी रहेगी।

भागवत कथा

शाजापुर। इंदिरा नगर में अंबिका माता मंदिर परिसर में चल रही भागवत कथा में श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। फूलों की टोकरी में बैठे बाल कन्हैया के दर्शन से श्रोता भाव विभोर होकर नाचने लगे और नंद घर आनंद भयो के जयकारों से सारा वातावरण कृष्णमय हो गया।

एक नन्हे बालक को कृष्ण की वेशभूषा में सजाया गया और वसुदेव बने व्यक्ति बालकृष्ण को लेकर कथा पंडाल में आए जिन पर फूलों की वर्षा की गई। प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित लाल शंकर मेहता ने कथा का वाचन करते हुए कहा कि जब कंस का अत्याचार बढ़ने लगा तब भगवान इस धरा धाम पर मानव शरीर लेकर आए और राक्षसों का विनाश किया।

अस्पताल परिसर में विश्रामालय लोकार्पित

बैतूल। जिला अस्पताल परिसर में 84.98 लाख रुपये की लागत से निर्मित विश्रामालय का लोकार्पण केंद्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय दुर्गादास उईके, विधायक बैतूल एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, विधायक मुलताई चंद्रशेखर देशमुख, विधायक आमला डॉ. योगेश पंडाग्रे, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार एवं उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्री हंसराज धुर्वे के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज हुरमाड़े, सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे, डॉ. रानू वर्मा, डॉ. रूपेश पद्माकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री दुर्गादास उईके ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संवेदनशील नेतृत्व में विकास की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे, यह केंद्र एवं राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल परिसर में लगभग 85 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस विश्रामालय में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के परिजनों के रुकने की व्यवस्था की गई है। यहां भोजन सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी न्यूनतम दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल के प्रयासों से मिली इस सौगात के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि जिला अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीज इलाजरत रहते हैं। ऐसे में उनके परिजनों को न्यूनतम दरों पर ठहरने की व्यवस्था हो, इसके लिए उन्होंने एवं सांसद दुर्गादास उईके ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भेंट की थी। जिस पर मंत्री श्री प्रधान ने अपनी राज्यसभा निधि से तत्काल 80 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की थी।

वारंटी गिरफ्तार

शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक श्रीमति यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा जिले में फरार स्थाई वारंटी की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में दिनांक 29मई को कॉम्बिंग गश्त के दौरान मुखबिर सूचना पर से मिताली वाणी वर्मा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय जिला शिवपुरी (म.प्र.) के प्रकरण क्रमांक 90/20 व थाना देहात के अप.क्र. 26/2020 के स्थाई वारंटी लल्लू पुत्र मेहरवान सिंह गुर्जर निवासी ताल मझेरा हाल जवाहर कॉलोनी थाना देहात शिवपुरी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

माचना नदी से हटाई जलकुंभी

बैतूल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद बैतूल द्वारा माचना नदी को जलकुंभी मुक्त बनाने के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान तेजी से सफल होता दिखाई दे रहा है। अभियान प्रारंभ होने के मात्र दो दिनों के भीतर ही नदी के बड़े हिस्से से जलकुंभी को हटाने में सफलता प्राप्त हुई है, जिसके परिणामस्वरूप अब कई स्थानों पर नदी का स्वच्छ जल एवं प्राकृतिक प्रवाह स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विगत कई वर्षों से माचना नदी जलकुंभी की गंभीर समस्या से जूझ रही थी। नदी का बड़ा क्षेत्र जलकुंभी से आच्छादित हो जाने के कारण जल प्रवाह बाधित हो रहा था तथा प्रदूषण, दुर्गंध और जलीय जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर भी संकट उत्पन्न हो गया था। इस गंभीर समस्या के समाधान हेतु भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने नदी संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन को त्वरित, प्रभावी एवं पर्यावरण अनुकूल उपाय अपनाने के निर्देश दिए थे। माचना नदी को जलकुंभी मुक्त बनाने के लिए पूर्व में ग्रीन टाइगर संस्था के तरुण वैद्य एवं उनके साथियों सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं, पर्यावरण प्रेमियों एवं जागरूक नागरिकों द्वारा लगातार प्रयास किए गए। समय-समय पर श्रमदान, जनजागरूकता अभियान एवं जलकुंभी हटाने के विभिन्न प्रयास भी किए गए, किंतु जलकुंभी के अत्यधिक विस्तार और विकराल स्वरूप के कारण समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं हो पा रहा था।

दिव्यांगजनों को मिले कृत्रिम हाथ-पैर

शिवपुरी। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन की ओर ले जाने के संकल्प के साथ मंगलम परिसर में चल रहा सात दिवसीय कृत्रिम अंग निर्माण एवं वितरण शिविर रविवार को संपन्न हो गया। 25 मई से 31 मई तक चले इस विशेष शिविर में कुल 215 दिव्यांगजनों को मौके पर ही जांच के बाद कृत्रिम हाथ, पैर और अन्य सहायक उपकरण तैयार कर वितरित किए गए। हितग्राहियों के चेहरों पर लौटी मुस्कान ने शिविर की सफलता को बयां किया।

शिविर का आयोजन मंगलम समाजसेवी संस्था और महावीर सेवा सदन, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में %दिव्यांगता मुक्त भारत' अभियान के तहत किया गया था। समापन समारोह में कोलकाता से आई तकनीकी टीम के सदस्यों को मंच पर ससम्मान बिठाकर शॉल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। मंगलम के सचिव राजेंद्र मजेजी ने बताया कि हितग्राही का परीक्षण, माप, निर्माण और फिटिंग की व्यवस्था मौके पर ही की गई।

फिटनेस और स्वच्छता के संकल्प से गूंजी सड़कें

कटनी। जिले के डन कॉलोनी की सड़कें जब वाहनों से मुक्त हुईं तो वहां सिर्फ इंसान नहीं उतरे, उतरा पूरे शहर का जज्बा। मौका था नगर पालिक निगम द्वारा आयोजित %राहगीरी डे% कैंपेन 2026 के आठवें संस्करण का, जिसने स्वच्छता नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण की संकल्पना को सड़क पर उतार कर दिखा दिया। मदन मोहन चौबे वार्ड में आयोजित इस भव्य आयोजन ने साबित कर दिया कि जब नागरिक ठान लें तो शहर की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल जाती है।कार्यक्रम के दौरान महापौर प्रीति संजीव सूरी, निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, निगमायुक्त तपस्या परिहार, मेयर इन काउंसिल सदस्य, सुभाष साहू, डॉ रमेश सोनी, उमेंद्र अहिरवार, बीना संजू बैनर्जी, स्थानीय पार्षद सुशीला मिश्रीलाल, सीमा श्रीवास्तव, गोविंद चावला, पूर्व पार्षद विजय डब्बू रजक, उपयुक्त शैलेश गुप्ता, नोडल अधिकारी आदेश जैन विभिन्न समाजसेवी संगठन, योग ग्रुप, कटनी एक्सरसाइज ग्रुप, गणमान्य नागरिक सहित काफी संख्या में डन कॉलोनी निवासी, छात्र, छात्राएं, युवा, महिला, बुजुर्ग आदि की मौजूदगी रही।

हर आयु वर्ग ने की उत्साहपूर्ण सहभागिता

प्रात:7 बजते ही डन कॉलोनी का मुख्य मार्ग 'नो व्हीकल जोन' में तब्दील होते ही उत्साह के रंग में रंग गया। जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों, महिलाओं, युवाओं, बच्चों एवं वरिष्ठजनों की उत्साहपूर्ण मौजूदगी ने आयोजन को महोत्सव का रूप दे दिया। नागरिकों ने सपरिवार पहुंचकर स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

नशा मुक्ति का दिया गया संदेश

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक न्याय विभाग द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू छोड़ो जीवन से नाता जोड़ो का संदेश दिया। वहीं गायत्री परिवार की टीम ने गीत एवं रैली के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया। जादूगर एम कुमार ने जादू के एक से बढ़कर एक करतब दिखाकर उपस्थित जनों से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के संकल्प दिया।

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बैतूल। अखिल विश्व गायत्री परिवार जिला बैतूल ने शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देश पर युवाओं को नशे से बचाने और नशे के दुष्परिणाम से परिचित करने के उद्देश्य से एक संक्षिप्त रैली और नशा मुक्ति प्रदर्शनी का आयोजन किया। गायत्री परिवार द्वारा जिले भर की सभी तहसीलों में इस अवसर पर विभिन्न आयोजन किए गए। जिला मुख्यालय पर सबसे पहले एक कुंडी व्यसन मुक्ति गायत्री यज्ञ सबको सद्बुद्धि हेतु संपन्न हुआ। उसके पश्चात गायत्री परिवार के परिजन हाथ में तख्तियां और बैनर लेकर नारे लगाते हुए संयुक्त तहसील कार्यालय पहुंचे। वहां पर तहसीलदार श्याम सिंह उइके को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें नशे के जाल में फंसने वाले बच्चों और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सरकार से अपील की गई है।

किसानों की आय बढ़ाने के उपायों पर मंथन

बैतूल। जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी के अंतर्गत ग्राम पंचायत सूखाढाना स्थित पीएलएस इंटरनेशनल स्कूल में रविवार को द पाई फाउंडेशन द्वारा किसान पाठशाला एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों के बीच स्थायी एवं टिकाऊ कृषि की जानकारी साझा करना तथा इसके लाभों से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सूखाढाना के अनुसूचित जनजाति वर्ग के महिला एवं पुरुष किसानों ने भाग लिया। द पाई फाउंडेशन के निदेशक लोकेश सोनी ने किसानों को फाउंडेशन की गतिविधियों और आगामी वर्षों में किसानों के हित में संचालित की जाने वाली योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने किसानों की आय दोगुनी करने की कार्ययोजना साझा करते हुए खेती में आपसी सहयोग और जल संरक्षण उपायों को अपनाने पर जोर दिया। उद्यानिकी विभाग शाहपुर के अधिकारी श्री रामलाल इवने ने राज्य शासन की उद्यानिकी योजनाओं की जानकारी देते हुए पशुपालन, मत्स्य पालन और मधुमक्खी पालन जैसी आयवर्धक गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सेवा कार्यों के लिए सम्मानित हुए रघुवंशी

शिवपुरी। सामाजिक एवं धार्मिक सेवा कार्यों में सदैव अग्रणी रहने वाले अंतर्राष्ट्रीय सप्तऋषि अखाड़ा परिषद की श्री हनुमंत सेना के राष्ट्रीय महामंत्री जितेन्द्र रघुवंशी जीतू ने अपने दिवंगत माता-पिता की पुण्य स्मृति में बाबू क्वार्टर रोड स्थित प्रजापति समाज के श्री सोमेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धापूर्वक वाटर कूलर भेंट किया। इस अवसर पर कथा व्यास आचार्य पं. कमलेश दीक्षित एवं प्रजापति समाज के जिला अध्यक्ष मथुरा प्रसाद प्रजापति के नेतृत्व में समाजजनों ने जीतू रघुवंशी का सम्मान कर उनके सेवा भाव की सराहना की।

खाद की कालाबाजारी पर जिला प्रशासन सख्त

कलेक्टर के निर्देश पर कोलारस में हुई कार्यवाही

शिवपुर। जिले में खाद की कालाबाजारी ना हो और किसानों को पूरी पारदर्शी प्रक्रिया से खाद का वितरण किया जा सके, इसके लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

खाद की कालाबाजारी को लेकर जिला प्रशासन का सख्त रवैया है। ऐसे ही दो मामलों में कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश पर कोलारस में कार्यवाही की गई है। एसडीएम कोलारस अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि कोलारस तहसील के ग्राम खरई में खाद की कालाबाजारी, अवैध भंडारण एवं विक्रय संबंधी प्राप्त शिकायतों के आधार पर राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम द्वारा खाद-बीज विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जय मां वैष्णो उर्वरक भंडार के संचालक श्री रामकृष्ण वर्मा के निवास पर लगभग 100 बैग एनपीके उर्वरक एवं 250 बैग कार्बनिक खाद भंडारित पाई गई। इसके अतिरिक्त परिसर के एक अन्य बंद कमरे में भी खिड़की से देखने पर उर्वरक के बैग रखे होने की जानकारी मिली।

मानव श्रृंखला बनाकर दिया नशा मुक्ति का संदेश

शाजापुर। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ ने एक मानव श्रृंखला बनाई। यह आयोजन श्रीराम स्मृति उपवन हर्बल गार्डन, गरासिया घाट पर किया गया, जिसका उद्देश्य भारत को नशा मुक्त बनाने के लिए जन जागरण करना था। यह पहल शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देश और मध्य प्रदेश शासन के सामाजिक न्याय विभाग तथा जिला प्रशासन की प्रेरणा से की गई।

इस कार्यक्रम में आई.एम.ए. शाजापुर के प्रतिनिधि मंडल की उपस्थिति रही। सभी प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर नशा मुक्ति का संदेश दिया। उपजोन समिति सदस्य शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने सभी को सामूहिक शपथ दिलाई, जिसमें स्वयं और राष्ट्र को नशा मुक्त करने का संकल्प लिया गया। आई.एम.ए. के प्रतिनिधि डॉ. शैलेश ठाकुर और डॉ. तेजपाल जादौन ने तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। तम्बाकू निषेध कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. ललित शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। युवा कार्यकर्ता पलाश धनोतिया और देवेंद्र प्रजापति ने कार्यक्रम में विशेष सहयोग दिया। इस अवसर पर दीपक सूर्यवंशी ने तम्बाकू का सेवन बंद करने का संकल्प लिया, जिसका सभी उपस्थित लोगों ने अभिनंदन किया।

धन से नहीं, प्रेम से प्रसन्न होते हैं भगवान

बैतूल। गंज स्थित विश्वकर्मा मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत गीता पुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह का समापन रविवार 31 मई को पूर्णाहुति, भंडारा प्रसादी के साथ संपन्न हुआ। अंतिम दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अमर मित्रता प्रसंग, दत्तात्रेय के जीवन दर्शन तथा कलियुग में कल्कि अवतार के महत्व का वर्णन किया गया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया और भंडारा प्रसादी ग्रहण की। भागवताचार्य डॉ. पुष्कर परसाई ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा के प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि सुदामा गरीब अवश्य थे, लेकिन दरिद्र नहीं थे। उन्होंने बताया कि मित्र, बेटी, गुरु और मंदिर के यहां कभी खाली हाथ नहीं जाना चाहिए। कथा में कहा गया कि जो व्यक्ति भगवान की ओर एक कदम बढ़ाता है, भगवान उसकी ओर साठ कदम बढ़ाते हैं। संकट के समय जो साथ खड़ा रहे वही सच्चा सखा कहलाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन से मित्रता, समर्पण और भक्तवत्सलता का संदेश दिया।

भागवताचार्य ने सुखदेव एवं भगवान दत्तात्रेय के प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि दत्तात्रेय ने प्रकृति और जीवन के विभिन्न तत्वों को अपना गुरु बनाया। उन्होंने पृथ्वी से सहनशीलता, जल से मधुर वाणी, अग्नि से ज्ञान और तेज, समुद्र से मर्यादा, हंस से विवेक तथा मधुमक्खी से अधिक संचय न करने की सीख प्राप्त की। छोटे बच्चों को भी गुरु मानकर उनसे निष्कपटता और सरलता का गुण ग्रहण करने का संदेश दिया गया।

प्रशिक्षण में दिया शारीरिक दक्षता पर जोर

शिवपुरी। वनसंरक्षक शिवपुरी आदर्श श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में, वन विद्यालय संचालक सुधांशु यादव एवं अनुदेशक आदित्य शांडिल्य के निर्देशन में वन विद्यालय शिवपुरी में संचालित वनरक्षक प्रशिक्षण सत्र-123 का समापन समारोह एवं दीक्षांत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप संचालक, माधव टाइगर रिजर्व शिवपुरी श्री हरिओम शर्मा रहे।

समारोह की शुरुआत वनरक्षक प्रशिक्षुओं द्वारा पासिंग आउट परेड से हुई। परेड कमांडर श्री वीरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में चार प्लाटूनों ने अनुशासित प्रदर्शन किया। इसके उपरांत रजत जयंती हॉल में दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया।

01 दिसंबर 2025 से प्रारंभ छह माह की प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षुओं को 15 दिवसीय अध्ययन भ्रमण कराया गया।

प्रशिक्षण के दौरान पीटी, परेड, योग, खेलकूद, शस्त्र प्रशिक्षण तथा क्षमता विकास हेतु भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) आरटीसी करैरा में विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

प्रशिक्षुओं ने जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस परेड में निशस्त्र वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया।

प्रशिक्षण अवधि में आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कु. अनुराधा चौहान (वनमंडल देवास) को सम्मानित किया गया। वहीं 9 किलोमीटर क्रॉस कंट्री दौड़ में श्री वीरेन्द्र सिंह ने 39 मिनट में दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वानिकी विषयों की मुख्य परीक्षा में कुल 79 प्रशिक्षणार्थी सफल घोषित हुए। सभी विषयों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर श्री अजय राठौर (वनमंडल देवास) को सम्मानित किया गया।

भोपाल विलीनीकरण दिवस पर शहीद गेट में श्रृद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाए भोपाल विलीनीकरण का संघर्ष : मालती राय

सच संवाददाता || भोपाल

भोपाल की आजादी भोपाल गौरव दिवस का जश्न भोपाल गेट पर गुब्बारे उड़ाकर, झंडावंदन कर धूमधाम से मनाया गया। राष्ट्रगान उपरांत महापौर मालती राय ने विलीनीकरण आंदोलन में बलिदानियों के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि भारत 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हो गया था लेकिन भोपाल नवाबी हुकूमत की बेड़ियों में जकड़ा था। भोपाल दो साल बाद आजाद हुआ।

दरअसल भोपाल का नवाब हमीदुल्ला भोपाल रियासत का विलय पाकिस्तान में करना चाहता था। लेकिन भोपाल की जनता को ये मंजूर नहीं था। तब भोपाल के कुछ शिक्षित लोगों ने विलीनीकरण आंदोलन शुरू किया जिसका नेतृत्व भी रतन कुमार गुप्ता ने किया। भोपाल की आजादी में पं. उद्धव दास मेहता, डॉ शंकर दयाल शर्मा, मास्टर लाल सिंह, नित्य गोपाल शर्मा, सूरजमल जैन, प्रोफेसर अक्षय कुमार, लक्ष्मी नारायण जैमिनी, प्रेम श्रीवास्तव बालकृष्ण गुप्ता, जमुना प्रसाद मुखरैया, बसंती देवी, शांति देवी, मोहिनी देवी और पुष्पा चारु के अविस्मरणीय योगदान को भुलाया

नहीं जा सकता। महापौर ने कहा कि भोपाल की आजादी के इस संघर्ष और बलिदान को पाठ्यक्रम में प ?ाया जाना चाहिए। महापौर ने विलीनीकरण आंदोलन के दौरान के चित्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और बलिदानी परिवार के सदस्यों ईश दयाल शर्मा, डॉ दीपक मेहता, आलोक गुप्ता, ललित जैन, योगेंद्र मुखरैया को शॉल श्रीफल देकर सम्मानित किया और विलीनीकरण आंदोलन का केंद्र रहे भोपाल के जुमेराती स्थित पोस्ट ऑफिस में भी झंडावंदन कर मिष्ठान वितरण किया गया।

इस मौके पर एमआईसी सदस्य मनोज राठौर ने संबोधन में कहा कि भोपाल की आजादी के इस दिवस को गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत सांसद आलोक शर्मा ने महापौर रहते 2017 में की थी जो निरंतर जारी है। उन्होंने बोरास गोलीकांड को याद करते हुए कहा कि रायसेन जिले के बोरास में एक सभा के दौरान जब वहां तिरंगा फहराया जा रहा था तब नवाब की पुलिस ने गोली चलाई। जिसमें चार आंदोलनकारी जिसमें छोटेलाल, धन सिंह, मंगल सिंह और विशाल सिंह बलिदान हो गए। उल्लेखनीय है कि जब बोरास के नृशंस गोलीकांड की खबर सरदार वल्लभभाई पटेल को लगी तो उन्होंने नवाब हमीदुल्ला को चेताया। उन्होंने 24 जनवरी 1949 को अपने सचिव वीपी मेनन को भोपाल भेजा था। यह घटना कोई साधारण घटना नहीं थी। आखिरकार बलिदानियों के पराक्रम और सरदार वल्लभभाई पटेल की शक्ति के आगे नवाब हमीदुल्लाह खान को झुकना पड़ा और बाद में 1 जून 1949 को भोपाल को आजादी मिली। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री राकेश कुकरेजा और आभार जिला उपाध्यक्ष अभय पंडित ने व्यक्त किया। आजादी का जश्न के इस अवसर पर पार्षद श्रीमती प्रियंका मिश्रा, विनीता सोनी, सरोज आसेरी, राजू कुशवाहा सहित वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश मिश्रा,जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र गुप्ता, अवनि शर्मा, हरिओम आसेरी, मंडल अध्यक्षगण और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने दी गौरव दिवस की बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपालवासियों को भोपाल गौरव दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि आज ही के पावन दिन, वर्ष 1949 में भोपाल का भारत संघ में विलय हुआ था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के विलीनीकरण और स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल को स्वच्छ, सुंदर और समृद्ध बनाकर गौरव के इस अवसर को सार्थक करने का भोपालवासियों से आव्हान किया है।

भाजपा कार्यालय में जांच के लिए शिविर

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में नि:शुल्क फाइब्रोस्कैन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य आमजन को यकृत संबंधी रोगों की समय पर जांच एवं परामर्श उपलब्ध कराना है।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. विशाल सिंह ने बताया कि शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क फाइब्रोस्कैन जांच एवं स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया गया, जिससे अधिक से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हो सकें। यह नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर समाज के प्रति सेवा, समर्पण और स्वास्थ्य जागरूकता के भाव को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को दी जन्मदिन की बधाई

भोपाल । राज्यपाल मंगुभाई पटेल के जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकभवन पहुंचकर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल श्री पटेल को मुख्यमंत्री डॉ यादव ने लोकभवन में पुष्पगुच्छ ,अंग वस्त्रम और बाबा महाकाल की प्रतिकृति भेंट कर उनका अभिवादन किया । मुख्यमंत्री डॉ यादव ने राज्यपाल श्री पटेल के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि संवैधानिक मूल्यों और अंत्योदय के प्रति राज्यपाल श्री पटेल की निष्ठा, कर्तव्यपरायणता तथा प्रतिबद्धता प्रेरणादायी है।

मंत्रालय में सामूहिक राष्ट्रगान कार्यक्रम आयोजित

मध्यप्रदेश शासन के मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल पार्क में माह के प्रथम कार्य दिवस पर राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। निर्धारित परंपरा के अनुसार आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का गायन कर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय सेवकों में राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना है।

ट्विशा शर्मा केस में घटनास्थल पर रीक्रिएशन और आमने-सामने पूछताछ

पूर्व जज गिरिबाला के घर पहुंची सीबीआई 80 किलो का डमी पुतला तैयार

सच संवाददाता || भोपाल

राजधानी के हाईप्रोफाइल ट्विशा शर्मा मौत मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की जांच तेज हो गई है। एजेंसी ने मामले की गहराई से पड़ताल के लिए क्राइम सीन रीक्रिएशन की तैयारी शुरू कर दी है। जांच के दौरान घटनाक्रम को सटीक तरीके से समझने के लिए ट्विशा शर्मा के अनुमानित वजन के आधार पर लगभग 80 किलोग्राम का डमी पुतला तैयार किया गया है।

मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले की जांच में जुटी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए दोनों मुख्य आरोपियों को साथ लेकर घटनास्थल का दौरा किया और पूरे घटनाक्रम का पुनर्निर्माण (क्राइम सीन रीक्रिएशन) शुरू किया। सीबीआई की विशेष टीम सुबह चार इमली स्थित क्षेत्रीय कार्यालय से कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपियों को लेकर रवाना हुई और सीधे बागमुगालिया स्थित पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह के निवास पर पहुंची, जो मामले में अहम घटनास्थल माना जा रहा है।

घटनास्थल पर दिनभर पूछताछ और रीक्रिएशन

जांच एजेंसी ने घटनास्थल पर दोनों आरोपियों से दिनभर आमने-सामने पूछताछ करने की योजना बनाई है। इस दौरान घटनाक्रम को दोबारा प्रस्तुत कर हर पहलू को समझने का प्रयास किया जा रहा है। सीबीआई टीम आरोपियों के बयानों के आधार पर पूरे घटनाक्रम का पुनर्निर्माण कर

रही है, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

बयानों का होगा क्रॉस-वेरिफिकेशन

सीबीआई अधिकारी पहले दोनों आरोपियों से अलग-अलग पूछताछ कर रहे हैं और उसके बाद उन्हें आमने-सामने बैठाकर सवाल-जवाब किए जा रहे हैं। जांच का मुख्य उद्देश्य अब तक दिए गए बयानों में मौजूद संभावित विरोधाभासों की पहचान करना और साक्ष्यों से उनका मिलान करना है।

जांच के तीन प्रमुख बिंदु

सीबीआई इस मामले में फिलहाल तीन मुख्य बिंदुओं पर फोकस कर रही है-क्राइम सीन से कथित छेड़छाड़ की आशंका, सीसीटीवी फुटेज की जांच, डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि घटना के बाद किसी स्तर पर सबूतों से छेड़छाड़ या उन्हें प्रभावित करने का प्रयास तो नहीं किया गया।

34 मिनट की वीडियो रिकॉर्डिंग अहम सबूत

मामले में एक पुलिस कॉन्स्टेबल द्वारा की गई लगभग 34 मिनट की वीडियोग्राफी को बेहद महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है। सीबीआई इस वीडियो के साथ अन्य डिजिटल साक्ष्यों का गहन विश्लेषण कर रही है, ताकि घटनाक्रम की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट हो सके।

समर्थ सिंह की फरारी पर जांच

जांच में यह भी सामने आया है कि घटना के बाद आरोपी समर्थ सिंह करीब तीन दिन भोपाल और पांच दिन जबलपुर में फरार रहा था। अब सीबीआई इस दौरान उसकी मदद करने वाले लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि फरारी के दौरान उसे किसने शरण दी, किसने सहायता की और उसके संपर्क में कौन-कौन लोग शामिल थे। इस पूरे नेटवर्क को लेकर सीबीआई की जांच तेज कर दी गई है।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

सीबीआई टीम के पहुंचने की सूचना के बाद बागमुगालिया स्थित परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। स्थानीय पुलिस और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है ताकि जांच प्रक्रिया बिना किसी बाधा के पूरी की जा सके।

स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु अभियान को लेकर बैठक

भोपाल। प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रुप में मनाया जाता है इस वर्ष पेयजल एवं स्वच्छता विभाग जल शक्ति मंत्रालय द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज से 5 जून तक स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती इला तिवारी ने बताया कि अभियान के क्रियान्वयन हेतु आज एक दिवसीय प्रशिक्षण के लिए कार्यालय जिला पंचायत भोपाल के सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया जाएगा।

होटल-केटरिंग कारोबार पर बढ़ा दबाव

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 44 रुपए महंगा

सच संवाददाता || भोपाल

मध्यप्रदेश में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सिलेंडर के दामों में करीब 44 रुपए तक का इजाफा हुआ है। इस बढ़ोतरी के बाद होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग कारोबार पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव बढ़ गया है। भोपाल में कमर्शियल गैस सिलेंडर की नई कीमत अब लगभग 3116.50 रुपए तक पहुंच गई है। लगातार बढ़ती लागत से छोटे और मध्यम स्तर के व्यवसायियों की चिंता बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार पिछले तीन महीनों में कमर्शियल सिलेंडर के दामों में करीब 1300 रुपए तक की वृद्धि हो चुकी है। लगातार बढ़ते

दामों से होटल और रेस्टोरेंट संचालकों की लागत तेजी से बढ़ रही है, जिसका सीधा असर खाने-पीने की कीमतों पर पड़ रहा है।

भोपाल होटल एवं रेस्टोरेंट संघ के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली के अनुसार, कमर्शियल गैस सिलेंडर पहले की तुलना में करीब 60 प्रतिशत तक महंगा हो चुका है। इसके चलते भोपाल में खाने की कीमतों में 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है और आगे भी कीमतें बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। मध्यप्रदेश टेंट कैटर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के अनुसार, सिलेंडर महंगा होने से कैटरिंग लागत में लगभग 10 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। उदाहरण के तौर पर 500 लोगों के खाने का बजट अब ?45,000 से ?50,000 तक बढ़ गया है। प्रदेश में जुलाई तक 20 हजार से अधिक शादियां प्रस्तावित हैं। ऐसे में कैटरिंग और आयोजन खर्च बढ़ने से आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। व्यापारियों का कहना है कि लगातार बढ़ती लागत से आयोजन बजट प्रभावित हो रहा है।

राजवेद कॉलोनी के रहवासियों ने की विधायक से की भेंट

जनसमस्याओं के समाधान का सौंपा ज्ञापन

सच संवाददाता || भोपाल

राजधानी के कोलार रोड स्थित राजहर्ष राजवेद कॉलोनी के नागरिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने हजूर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा से सौजन्य भेंट कर क्षेत्र में पूर्व में कराए गए विकास कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कॉलोनी की विभिन्न लंबित समस्याओं और विकास संबंधी मांगों को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक के समक्ष राजवेद कॉलोनी के एच एवं आई सेक्टर की जर्जर आंतरिक सड़कों के निर्माण, सीवेज नेटवर्क की मरम्मत तथा एकता पार्क के समीप पुलिस चौकी स्थापित किए जाने की मांग रखी। इसके साथ ही एकता पार्क में नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए एक्यूप्रेशर पाथवे, बच्चों के लिए झूले, ओपन जिम

उपकरण तथा हाई मास्ट फ्लड लाइट लगाने का आग्रह भी किया गया।

नागरिकों ने एकता पार्क को सार्वजनिक हरित क्षेत्र एवं बच्चों के खेल मैदान के रूप में संरक्षित रखने की मांग भी उठाई। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि पार्क परिसर में किसी भी प्रकार के स्थायी निर्माण को प्रोत्साहित न किया जाए, ताकि यह क्षेत्र सभी नागरिकों के उपयोग के लिए सुरक्षित और उपलब्ध बना रहे। विधायक रामेश्वर शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए सभी मांगों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े विषयों के समाधान के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में लक्ष्मी कुशवाहा, प्रीति द्विवेदी, मंजू बोहरा, रेनू शांडिल्य, अनीता कुशवाहा, उषा पास्टर, गुंजा, सतेन्द्र बोहरा, शंकर सेंगर, गौरव म्हाले सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

जनगणना में लगे शिक्षकों के तबादले नहीं होंगे

संगठनों ने मांगी स्वैच्छिक तबादलों में छूट

सच संवाददाता || भोपाल

एक जून से 15 दिन के तबादलों से प्रतिबंधन हटने जा रहा है। सरकार के सभी विभाग तबादलों की तैयारी में लगे हुए है लेकिन जनगणना में लगे शिक्षकों के तबादले इस वर्ष नहीं होंगे। लोक शिक्षण आयुक्त ने निर्देश जारी कर कहा है कि जिन शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना में लगी है उनके तबादले फरवरी 2027 तक नहीं होंगे।

ऐसे शिक्षकों की संख्या 58 हजार से अधिक है जो जनगणना ड्यूटी में लगे हैं। इसलिए एक जून 2026 तक ऐसे सभी शिक्षकों की जानकारी एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर एंट्री करने के लिए कहा गया है जो जनगणना में लगे हैं। इधर मध्यप्रदेश शासकीय शिक्षक संगठन ने प्रदेश सरकार एवं स्कूल शिक्षा विभाग से मांग की है कि आगामी जनगणना कार्य में संलग्न शिक्षकों को स्वैच्छिक स्थानांतरण प्रक्रिया में लगाई गई पाबंदी से राहत प्रदान की जाए, ताकि लंबे समय से स्वैच्छिक स्थानांतरण की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों को स्थानांतरण नीति का लाभ मिल सके।

संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने कहा कि जनगणना कार्य एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसमें शिक्षक सदैव पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाते रहे हैं। किन्तु केवल जनगणना ड्यूटी लगाए जाने के आधार पर शिक्षकों के स्वैच्छिक स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना व्यवहारिक नहीं है।

रेल यात्रियों की सुरक्षा || टीम ने 11 संदिग्ध चोर किए गिरफ्तार

सच संवाददाता || भोपाल

रेल यात्रियों की सुरक्षा और स्टेशन परिसरों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भोपाल मंडल में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ. अभिषेक तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान के तहत चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और अवैध वेंडरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

रेलवे स्टेशन परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा रही है। अभियान के दौरान पिछले तीन दिनों में रेल यात्रियों का सामान चोरी करने अथवा चोरी का प्रयास करने वाले 11 संदिग्ध व्यक्तियों को रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने पकड़ा है। इनमें से दो आरोपियों के खिलाफ जीआरपी थाना भोपाल में बीएनएसएस की धारा 170 के तहत मामला दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। वहीं, शेष नौ आरोपियों के विरुद्ध रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें रेलवे न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने सभी आरोपियों पर 2,500 रुपए का अर्थदंड तथा 30 दिन के कारावास

की सजा सुनाई। यात्रियों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खान-पान सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए रेल सुरक्षा बल और वाणिज्य विभाग की संयुक्त टीम ने स्टेशन परिसर में संचालित स्टॉलों एवं खान-पान इकाइयों का भी निरीक्षण किया। जांच के दौरान वाणिज्यिक नियमों का उल्लंघन करने वाले 23 वेंडरों के खिलाफ कार्रवाई की गई। रेल सुरक्षा बल के अनुसार वर्ष 2026 में मई माह तक भोपाल पोस्ट द्वारा वाणिज्यिक नियमों का उल्लंघन करने वाले 591 वेंडरों पर कार्रवाई की जा चुकी है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा, चोरी की घटनाओं की रोकथाम और अधिकृत वेंडरों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए यह संयुक्त अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल रेल सुरक्षा बल को दें।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना से मप्र में सार्वजनिक परिवहन को मिलेगा नया विस्तार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का सार्वजनिक परिवहन तंत्र एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना को केवल बस संचालन योजना न मानते हुए इसे ग्रामीण-शहरी कनेक्टिविटी, आर्थिक विकास और समावेशी प्रगति का व्यापक मॉडल बताया जा रहा है।

योजना के पहले चरण में प्रदेशभर में 620 मार्गों पर 2,512 बसों का संचालन प्रस्तावित है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार

और व्यापार जैसी आवश्यक सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच और अधिक सुगम होगी। सरकार का मानना है कि इस पहल से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच दूरी कम होगी और आवागमन सुविधाजनक बनेगा। परिवहन व्यवस्था के विस्तार से यात्रा लागत में कमी आने के साथ-साथ क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलने की संभावना है। साथ ही इस योजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार अवसर सृजित होने का अनुमान है।

स्वामी/प्रकाशक/संपादक उज़्मा सिकंदर द्वारा मुद्रक नरेश मंगतानी द्वारा बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल, 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं एफ 113/33 शिवाजी नगर भोपाल 462016 से प्रकाशित।
समूह संपादक : अशोक वर्मा, * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समाचार संपादक : अंसारुल हसन सिद्दीकी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. रजि. MPHIN/2025/A2700, Mail-ID sachesamachar013@gmail.com फोन नं. :- 0755-4152506